अब बेव पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 216 लखनऊ, शनिवार, 21 फरवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

बिटकॉइन घोटाला मामले में राज कुंद्रा को मिली जमानत

मुंबई। बिटकॉइन घोटाले से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए मुंबई की विशेष पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) अदालत ने शुक्रवार को बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और मशहूर बिजनेसमैन राज कुंद्रा जमानत दे दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से इस मामले में दाखिल की गई चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए अदालत ने यह फैसला सुनाया है। अदालत सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिटकॉइन घोटाला मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इस मामले में ईडी ने दुबई के कारोबारी राजेश सतीजा और राज कुंद्रा के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। इसी आरोप पत्र को संज्ञान लेते हुए अदालत ने राज कुंद्रा और दुबई के कारोबारी राजेश सतीजा को समन जारी किया था और दोनों को 19 जनवरी को अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया था। लेकिन राज कुंद्रा तय समय पर पेश नहीं हो पाए थे।

घुसपैठियों को सीमा पार भेजेंगे तीसरी बार असम में सरकार बनाएगी भाजपा : अमित शाह

गुवाहाटी/कछार। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर कछार जिले के दौरे के दौरान कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश करने वाले हर घुसपैठिए को वापस सीमा पार भेज दिया जाएगा। सीमा क्षेत्र में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार असम को सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के दौरान अवैध घुसपैठियों के लिए दरवाजे खुले छोड़ दिए गए थे, लेकिन भाजपा ने न केवल घुसपैठ पर रोक लगाई बल्कि अवैध कब्जाधारियों से कई लाख बीघा भूमि भी मुक्त कराई

एआई सम्मेलन स्थल पर प्रदर्शन: युवा कांग्रेस के चार कार्यकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी में एआई इम्पैक्ट सम्मेलन स्थल पर हुए विरोध प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को भारतीय युवा कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि मामले में व्यापक साजिश की आशंका को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कृष्णा हरि (राष्ट्रीय सचिव, बिहार), कुंदन यादव (प्रदेश सचिव, बिहार), अजय कुमार (प्रदेश उपाध्यक्ष) और नरसिंहा यादव (तेलंगाना) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मामले में गंभीर धाराएं लगाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने सदन में गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

शिक्षामित्रों को 18 हजार, अनुदेशकों को मिलेगा 17 हजार रुपये मानदेय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● बजट पारित होने के साथ ही सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन सदन में अपनी सरकार की उपलब्धियां, आवंटित बजट और भावी योजनाओं का विस्तार से ?जिक्र किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखे प्रहार किए और कहा कि सपा की सरकार में प्रदेश के बीमारु राज्य बना और निवेश शून्य रहा, लेकिन पौने नौ साल में उप्र देश के टॉप तीन राज्यों में आ गया है। उन्होंने अप्रैल से शिक्षामित्रों को 18 हजार और अनुदेशकों का 17 हजार रुपये मानदेय देने की घोषणा की। बजट पारित होने के साथ ही सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है।

मुख्यमंत्री योगी ने 9 लाख 12 हजार 696 करोड़ रुपये के बजट को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को दसवां बजट प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। उन्होंने विपक्ष के वित्तीय स्वीकृतियों पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि स्वीकृतियां समय पर जारी की जाती हैं और प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है। उन्होंने अपने संबोधन के प्रारंभ में बजट सत्र में सार्थक चर्चा के लिए सत्ता और विपक्ष के सभी सदस्यों का धन्यवाद दिया। साथ ही नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को दीघार्यु व स्वस्थ रहने की कामना करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने आंकड़ों के साथ घालमेल किया है जो उचित नहीं है। पहली बार उत्तर प्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत करने को भी उपलब्धि बताया।

मुख्यमंत्री योगी ने सदन में परिषदीय स्कूलों में पदस्थ शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का मानदेय बढ़ाने की घोषणा की। अब उन्हें 10 हजार की जगह 18 हजार रुपये हर महीने मिलेगा। इसी प्रकार अनुदेशकों को 17 हजार दिया जाएगा। यह 1 अप्रैल से देय होगा। योगी ने कहा जिन क्षेत्रों में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय नहीं हैं, वहां विद्यालय बनाये जाएंगे। इसके लिए 580 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इतना ही नहीं इन शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को पांच लाख कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि गरीब बच्चियों के ?लिए कस्तूरबा बालिका विद्यालयों को अधिक सशक्त बनाया जाएगा और इसके लिए 580 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

भारत मंडपम में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन शर्मनाक: योगी

सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के भारत मंडपम में युवा कांग्रेस के प्रदर्शन को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की छवि के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों को देश कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को देश के गौरव के साथ खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। इस आयोजन में दुनिया के 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं और वहां पर देश की छवि धूमिल करने का काम युवा कांग्रेस ने किया है। सभी भारतवासियों को इस कृत्य की निंदा करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के राजकोषीय घाटे की बात का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे लगता है नेता प्रतिपक्ष पर चच्चू (शिवपाल यादव) का असर आ गया है, क्योंकि उप्र में 2016-17 में ऋण ग्रस्तता लगभग 30 फीसदी थी। हमने इसे 27 फीसदी किया और 23 फीसदी तक करने का लक्ष्य है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आय इसी वित्त वर्ष में 1.20 लाख से अधिक हो जाएगी जबकि सपा सरकार में यह मात्र 43 हजार थी। मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद से कहा कि वे अपनी उम्र के हिसाब से आंकड़ो में घाल-मेल नहीं करेंगे, लेकिन संगत का प्रभाव होता है क्योंकि नेता प्रतिपक्ष यूपी पर उधार की बात बता रहे जो सही नहीं है। हमारा वित्तीय प्रबंधन पहले से बहुत अच्छा है। इसीलिए हर बैंक उप्र पर भरोसा करता है।

मुख्यमंत्री योगी ने अपनी उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि 2016-17 में उप्र देश के अंदर नीचे से तीसरे नंबर पर था। हालात बहुत खराब थे, लेकिन आज हम कह सकते हैं कि डबल इंजन की सरकार ने उप्र को बॉटम थ्री से टॉप थ्री राज्यों तक पहुंचाया है। अब हमारा संकल्प है कि उप्र वन ट्रिलियन की इकोनॉमी बनेगा। हमने योजना बनाकर अपने बजट से 86 लाख किसानों का कर्ज माफ किया। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि हमने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाया। इससे प्रदेश की वित्तीय स्थिति में सुधार आ रहा है। हमारा प्रयास चल रहा है कि प्रदेश का पैसा प्रदेश में ही लगे, क्योंकि जिस राज्य के पास एमएसएमई का पावर होगा, वह राज्य अग्रणी होगा। मुरादाबाद के पीतल के सामान, मेरठ के ब्रास, गोरखपुर का टेराकोटा, आजमगढ़ की क्राकरी, भदोही की कालीन समेत प्रदेश के अन्य जिलों के उत्पादों को वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट से आगे बढ़ाया।

बाबर के नाम पर मस्जिद निर्माण रोकने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

एजेंसी

दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मुगल शासक बाबर या बाबरी मस्जिद के नाम पर किसी भी मस्जिद या धार्मिक संरचना के निर्माण या नामकरण पर रोक लगाने का निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ द्वारा याचिका पर विचार करने में अनिच्छा व्यक्त करने के बाद याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने इसे वापस ले लिया। पीठ ने कहा, ''याचिका वापस लिए जाने के कारण इसे खारिज किया जाता है।'' याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने निलंबित तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर द्वारा पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति बनाने की घोषणा का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता देश में ''आक्रांताओं'' के नाम पर मस्जिदों के निर्माण के खिलाफ है।

वकील ने कहा कि कबीर ने ''इस तथ्य के बावजूद मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की घोषणा की थी कि बाबर एक आक्रमणकारी था।'' उन्होंने कहा कि उनके (कबीर के) खिलाफ कुछ कार्रवाई की जानी चाहिए।

जब पीठ ने याचिका खारिज करने की घोषणा की तो वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। याचिका में केंद्र, राज्यों और अन्य सरकारों को याचिकाकर्ता के मामले पर विचार करने और समूचे भारत में बाबर या बाबरी मस्जिद या उनसे मिलते-जुलते/व्युत्पन्न नामों पर किसी भी मस्जिद या धार्मिक संरचना के निर्माण, स्थापना या नामकरण पर रोक लगाने या प्रतिबंध लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

स्टार्टअप दिग्गजों से मिले पीएम मोदी

● नवाचार और अनुसंधान पर दिया बल

एजेंसी

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एआई व डीपटेक स्टार्टअप के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ शुक्रवार को बैठक की और कृषि, पर्यावरण संरक्षण एवं मातृभाषा में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी के उपयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। प्रधानमंत्री के साथ आयोजित गोलमेज बैठक में 16 एआई एवं डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ तथा संस्थापकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, मोदी ने मजबूत 'डेटा गवर्नेंस' की आवश्यकता पर जोर दिया, दुष्प्रचार के प्रति सावधान रहने को कहा और भारत की जरूरतों के अनुरूप समाधान विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस) को सरल एवं व्यापक डिजिटल नवाचार का उदाहरण बताते हुए भारतीय कंपनियों पर विश्वास जताया और घरेलू उत्पादों पर भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने की बात भी कही और भारतीय स्टार्टअप में निवेशकों की मजबूत रुचि का उल्लेख किया। कृषि व पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में एआई प्रौद्योगिकी के उपयोग पर चर्चा करते हुए उन्होंने फसल उत्पादकता और उर्वरक उपयोग की निगरानी के जरिये मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा करने की संभावनाओं पर विचार साझा किए।

भारतीय भाषाओं एवं संस्कृति के महत्व पर बल देते हुए मोदी ने मातृभाषा में उच्च शिक्षा के लिए एआई उपकरणों के विस्तार का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने नवप्रवर्तकों को साहसिक जोखिम उठाने और प्रभावशाली समाधान विकसित करने के लिए बधाई दी। बयान के अनुसार, स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई का उपयोग उन्नत 'डायग्नोस्टिक्स', 'जीन थेरेपी' और रोगी रिकॉर्ड प्रबंधन को अधिक कुशल बनाने के लिए किया जा रहा है, ताकि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकें। कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने एवं जलवायु जोखिम प्रबंधन के लिए भू-स्थानिक (जियोस्पेशियल) और 'अंडरवॉटर इंटेलिजेंस' का उपयोग किया जा रहा है। बैठक में साइबर सुरक्षा, नैतिक एआई, अंतरिक्ष, स्थानीय भाषा के माध्यम से न्याय एवं शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने तथा पारंपरिक प्रणालियों के आधुनिकीकरण से उद्यम उत्पादकता मजबूत करने वाले स्टार्टअप भी शामिल थे।

एक अप्रैल से सिर्फ फास्टैग या यूपीआई से ही कटेगा टोल टैक्स

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश भर के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा पर नकद भुगतना बंद करने का ऐलान किया है। देश में एक अप्रैल से टोल शुल्क केवल फास्टैग या यूपीआई से ही लिया जाएगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुताबिक देशभर में 1,150 से अधिक टोल प्लाजा पर यह व्यवस्था लागू होगी। यह पहल भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के उस लक्ष्य के अनुरूप है, जिसके तहत तकनीक-आधारित, तेज और निर्बाध राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि अभी तक अगर कोई वाहन बिना वैध फास्टैग के टोल प्लाजा में प्रवेश करता है और नकद भुगतान करता है, तो उससे दोगुना शुल्क लिया जाता है। वहीं यूपीआई से भुगतान करने वाले उपयोगकर्ताओं से केवल 1.25 गुना शुल्क लिया जाता है। इन प्रावधानों का उद्देश्य नकद लेन-देन को हतोत्साहित करना और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना है।

एनएचएआई के आकलन में पाया गया है कि नकद भुगतान से टोल प्लाज़ा पर भीड़ बढ़ती है, प्रतीक्षा समय लंबा होता है और लेन-देन से जुड़े विवाद भी सामने आते हैं। डिजिटल भुगतान व्यवस्था लागू होने से परिचालन दक्षता बढ़ेगी, यातायात प्रबंधन सुधरेगा और यात्रियों का अनुभव बेहतर होगा।

मंत्रालय ने बताया कि इस कदम से टोल प्लाज़ा पर भीड़ कम होगी, गाड़ियों की आवाजाही तेज होगी और लेन-देन में पारदर्शिता आएगी। पिछले कुछ वर्षों में फास्टैग की 98 प्रतिशत से अधिक पहुंच ने टोल वसूली की व्यवस्था को बदल दिया है।

अब अधिकांश वाहन आरएफआईडी-सक्षम फास्टैग से गुजरते हैं, जिससे टोल भुगतान स्वतः हो जाता है। साथ ही यूपीआई भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे यात्रियों को तुरंत और आसान डिजिटल विकल्प मिलता है।

दोषी जयदीप सेंगर को हाई कोर्ट ने सरेंडर करने दिया का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्नाव दुष्कर्म मामले में पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर के भाई जयदीप सेंगर को 21 फरवरी को सरेंडर करने का आदेश दिया है। जस्टिस नवीन चावला की अध्यक्षता वाली डिवीजन पीठ ने जयदीप सेंगर को तिहाड़ जेल में सरेंडर करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी को होगी। जयदीप सेंगर को कैंसर के इलाज के लिए जुलाई, 2024 में अंतरिम जमानत मिली थी। जयदीप सेंगर की अंतरिम जमानत समय-समय पर बढ़ाई जाती रही है। कोर्ट ने 17 फरवरी को जयदीप सेंगर की अंतरिम जमानत नहीं बढ़ाई। हालांकि, जयदीप ने भी सरेंडर नहीं किया था।

प्रदेश के भीतर गाय का परिवहन अपराध नहीं : हाईकोर्ट

● जिलाधिकारी का आदेश रद्द, जब्त वाहन अवमुक्त करने का निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि गोवध निरोधक कानून के तहत गाय या गोमांस प्रदेश के बाहर ले जाना अपराध है, किंतु प्रदेश के भीतर परिवहन करना अपराध नहीं है। कोर्ट ने बलिया से दुधारू गाय खरीद कर मऊ जिले में ले जाने वाले वाहन को जब्त करने के जिलाधिकारी बलिया के आदेश को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया और जब्त वाहन स्वामी के पक्ष में अवमुक्त करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति एस सी शर्मा की एकलपीठ ने मंजीत कुमार मौर्य की पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। याची का कहना था कि बोलेरो पिकअप वाहन से एक गाय, चितबड़ा गाँव बलिया से ग्राम पोस्ट चकाघाट जनपद मऊ ले जाई जा रहीं थीं। जिसको थाना फ़ेफना जनपद बलिया पुलिस ने पकड़ कर सीज कर दिया।

संघ किसी वर्ग विशेष के विरोध या स्पर्धा के लिए नहीं बना: डॉ. मोहन भागवत

● संघ का मूल उद्देश्य सत्ता नहीं हिन्दू समाज का संगठन करना है

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मेरठ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत ने शुक्रवार को माधवकुंज शताब्दी नगर में मेरठ व बृज प्रान्त के राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर सरसंघचालक ने खिलाड़ियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। डॉ. भागवत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी वर्ग विशेष के विरोध या स्पर्धा के लिए नहीं बना है। संघ को किसी प्रकार की सत्ता भी नहीं चाहिए। संघ का मूल उद्देश्य समस्त हिन्दू समाज का संगठन करना है।

डॉ भागवत ने कहा कि यदि संघ को समझना है तो संघ के अन्दर आना होगा। संघ के स्वयंसेवक आज विविध क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। संघ के स्वयंसेवक राजनीतिक क्षेत्र में काम कर रहें हैं। इसका यह मतलब नहीं है कि संघ को राजनीतिक दृष्टिकोण से समझा जा सकता है। कहने का अभिप्राय यह है कि संघ को समझने के लिए समग्र दृष्टिकोण भीतर आकर ही समझा जा सकता है।

डॉ भागवत ने कहा कि भारत को भौगोलिक सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। उन्होंने हिन्दू शब्द को उद्धृत करते हुए बताया कि हिन्दू कोई जाति नहीं है यह तो एक विशेषण है हम देखते हैं कि जब-जब हमारी एकता में कमी आयी है, तब-तब भारत संकट में आया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ऐसी सब स्थितियों से अवगत है। इसलिए समाज जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए प्रयास कर रहा है।

भारत पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल

● एआई इंपैक्ट समिट के दौरान हुए समझौते पर हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में आयोजित एक समारोह में पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल होने के समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में एआई संचालित वैश्विक अर्थव्यवस्था को शक्ति देने वाले संपूर्ण तकनीकी ढांचे को सुरक्षित करने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई गई।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां भारत मंडपम में इंडिया एआई इंपैक्ट समिट के पांचवें दिन इस समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद कहा कि यह केवल एक औपचारिक हस्ताक्षर नहीं है, बल्कि भविष्य निर्माण का क्षण है। स्वतंत्रता के बाद से भारत की वृद्धि को देखें तो कंपाउंडिंग ग्रोथ की ताकत स्पष्ट होती है। आज भारत के इंजीनियर दुनिया के सबसे उन्नत दो-नैनोमीटर चिप डिजाइन कर रहे हैं और सेमीकंडक्टर उद्योग को लगभग दस लाख नए पेशेवरों की आवश्यकता होगी, जो भारत के लिए बड़ा अवसर है।

अमेरिका के आर्थिक वृद्धि, ऊर्जा और पर्यावरण मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने इस घोषणा को साझा भविष्य का रोडमैप बताया। उन्होंने कहा कि पैक्स सिलिका पर हस्ताक्षर करके भारत और अमेरिका ने यह संदेश दिया है कि आर्थिक सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा है। हम भविष्य की संपूर्ण तकनीकी श्रृंखला को सुरक्षित कर रहे हैं। धरती के भीतर खनिजों से लेकर प्रयोगशालाओं और फैब्स में सिलिकॉन वेफर्स तक और उस बुद्धिमत्ता तक जो मानव क्षमता को उजागर करेगी। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत की भागीदारी को रणनीतिक और आवश्यक बताया। पैक्स सिलिका 21वीं सदी की आर्थिक और तकनीकी व्यवस्था को परिभाषित करेगा। यह खनिज खदानों से लेकर चिप निर्माण फैब्स और डेटा सेंटर तक पूरी सिलिकॉन श्रृंखला को सुरक्षित करने के लिए बनाया गया है। यह गठबंधन इस सवाल का जवाब है कि क्या स्वतंत्र समाज वैश्विक अर्थव्यवस्था की ऊंचाइयों पर नियंत्रण रखेंगे। हम स्वतंत्रता चुनते हैं, साझेदारी चुनते हैं और ताकत चुनते हैं।

सर्जियो गोर ने कहा कि एआई क्रांति भविष्य में नहीं, बल्कि आज ही मौजूद है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने भी इस पहल का स्वागत किया और कहा कि पैक्स सिलिका सुरक्षित सप्लाई चेन और प्रमुख तकनीकों में व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि हालिया व्यापार समझौते के साथ यह पहल अमेरिकाऽभारत टेक साझेदारी के लिए मजबूत आधार तैयार करेगी और दोनों देशों को इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बधाई दी।

उपमुख्यमंत्री केशव ने गृह, राजस्व एवं ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को विधान भवन में चल रहे बजट सत्र-2026 की कार्यवाही से पूर्व विधानसभा कक्ष संख्या-77 में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में राजस्व विभाग, ग्राम विकास विभाग, न्याय विभाग एवं गृह विभाग के कार्यों की प्रगति, जनहित से जुड़े मामलों तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार की प्राथमिकता जनता को त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचे। उपमुख्यमंत्री ने बैठक में राजस्व विभाग को भूमि विवादों, नामांतरण, वरासत एवं ऑनलाइन सेवाओं के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। ग्राम विकास विभाग को ग्रामीण सड़क, आवास, शौचालय एवं आजीविका योजनाओं की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने को कहा। न्याय विभाग को लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण के लिए प्रभावी पैरवी एवं समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके अलावा गृह विभाग को कानून-व्यवस्था मजबूत रखने, महिला सुरक्षा और संवेदनशील क्षेत्रों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश। उन्होंने कहा कि सुशासन सरकार की पहचान है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि बजट सत्र के दौरान प्राप्त जनप्रतिनिधियों की शिकायतों एवं सुझावों पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बैठक में वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने सभी विभागों से परिणाम आधारित कार्यप्रणाली अपनाने और निर्धारित समयसीमा में लक्ष्य पूर्ण करने पर बल दिया।

लखनऊ-चित्रकूट नई बस सेवा की शुरुआत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह का इंतजार करते-करते मंत्री आशीष पटेल थक गए। 20 मिनट तक उन्होंने सड़क किनारे खड़े होकर इंतजार किया। थकने पर उन्होंने कार्यक्रम स्थल से थोड़ी दूर पर स्थित अपने घर से कुर्सी मंगवाई। कुर्सी पेड़ के नीचे रखकर बैठ गए। एक घंटे बाद दया शंकर सिंह पहुंचे। उनके देर से पहुंचने पर प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा जिसका दिल बड़ा होता है, उनके पास लोग बड़े होते हैं। जब लोग बड़े होते हैं तो देर से आना स्वाभाविक है। दरअसल, आज सुबह 10 बजे माल एवेन्यू-1 से लखनऊ-चित्रकूट नई बस सेवा की शुरुआत होनी थी। मंत्री दयाशंकर और आशीष हरी झंडी दिखाकर बस को चित्रकूट (हनुमानगंज) के लिए रवाना करना था। आशीष पटेल समय पर पहुंचे, लेकिन दयाशंकर सिंह 11 बजे पहुंचे। फिर दोनों ने बस सेवा की शुरुआत की। मंत्री दया शंकर सिंह के कार्यक्रम में लेट पहुंचने का सिलसिला नया नहीं है। उनके देर से पहुंचने को लेकर सीएम योगी भी चुटकी ले चुके हैं। कहा था-मंत्रीजी आज टाइम पर आ गए, लगता है बसों की टाइमिंग भी ठीक कर देंगे। मंत्री आशीष पटेल ने कहा परिवहन मंत्रीजी का हृदय बहुत बड़ा है। जब इनके पास कोई मांगने जाता है तो उसे ये देते जरूर हैं। मेरी मांग परिवहन मंत्रीजी ने पूरी की। परिवहन मंत्री के देर से आने पर कहा जिनका दिल बड़ा होता है, उनके पास लोग बड़े होते हैं। जब लोग बड़े होते हैं तो उनका विलंब से आना स्वाभाविक है। ये इनका स्वभाव है कि किसी को मना नहीं कर पाते हैं। यह नई बस लखनऊ से चित्रकूट के बीच ऊंचाहार, लेहदरी गंगा पुल, सिराथू, राजापुर से होकर चित्रकूट के हनुमानगंज पहुंचेगी। इससे इन क्षेत्रों के यात्रियों, लखनऊ से चित्रकूट दर्शन के लिए जाने वालों को सीधी सुविधा मिलेगी। हनुमानगंज, प्रसिद्ध स्थल हनुमानधारा से सटे गांव का नाम है। मंत्री आशीष पटेल के अनुसार, जहां तक (हनुमानगंज) यह बस जाएगी, वह बहुत पिछड़ा क्षेत्र है। जहां-जहां बस चलेगी, वे भी पिछड़े इलाके हैं। बस सिराथू के बाद धाता जाएगी। वहां से राजापुर और राजापुर से कर्वी की ओर न जाकर लालता रोड (मऊ) की तरफ से हनुमानगंज पहुंचेगी। चित्रकूट धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। इस नई बस सेवा से श्रद्धालुओं और स्थानीय यात्रियों को सुगम यात्रा का विकल्प मिलेगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी। परिवहन विभाग के अनुसार, यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए इस रूट पर नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर बसों की संख्या भी बढ़ाई जा सकती है, ताकि क्षेत्रीय संपर्क और अधिक सशक्त हो सके।

संक्षिप्त समाचार

गांजा बेचने का विरोध किया तो पीट-पीटकर पुजारी की हत्या,गड्ढे में शव फेंका

लखनऊ। राजधानी में मंदिर के पुजारी की हत्या कर दी गई। उनका शव मंदिर के पीछे करीब 20 फीट गड्ध्ढे में मिला। माथे पर चोट के निशान थे। गला घोंटा गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर छानबीन शुरू कर दी। घटना दुबग्गा इलाके के आश्रयहीन कॉलोनी में 19 फरवरी की रात की है। पुजारी की पहचान 60 वर्षीय कल्लू प्रजापति उर्फ कल्लू बाबा के रूप में हुई है। वह कॉलोनी के शीतला माता मंदिर में करीब 40 साल से रहकर पूजा-पाठ करते थे। एस-2 आश्रयहीन कॉलोनी में शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे गोलू ने शीतला माता मंदिर के पास गड्ध्ढे में कल्लू बाबा का शव देखा। उन्होंने इसकी कॉलोनी के लोगों और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। कल्लू बाबा के माथे पर किसी भारी चीज से वार किए जाने के निशान मिले। गला घोंटे जाने का भी निशान मिला। परिजनों ने बताया कि कल्लू को आरोपियों ने मंदिर से निकाल कर सड़क पर पहले बेहरमी से पीटा। माथे पर भारी चीज से वार किया। फिर किसी चीज से गला घोंट दिया। उसके बाद नाली में डुबो दिया। जब कल्लू बाबा की मौत हो गई तो उनको मंदिर के पीछे करीब 20 फीट गहरे गड्ढे में फेंक दिया। भाई पुत्तीलाल ने बताया कि कल्लू बाबा का बगल में रहने वाली एक महिला और उसके भाई से लड़ाई चल रही थी। महिला गांजा बेचती थी। उसके दो भाई भी उसका साथ देते थे। 19 फरवरी की रात में इन लोगों ने मंदिर की लाइट बंद कर दी थी, जिसको लेकर कहासुनी हुई थी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। पूछताछ में भी इस बात की पुष्टि हुई है। पुलिस इसी एंगल पर जांच कर रही है। कल्लू बाबा नेवतनी, मोहन रोड, थाना हसनगंज, जिला उन्नाव के रहने वाले थे।

पिचकारियों से पट गए राजधानी के थोक बाजार

लखनऊ। होलिकोत्सव पर्व से पहले इस बार फिर से यहियागंज थोक बाजार तमाम तरह की पिचकारियों से पट गए हैं। ब्रह्मोस सरीखी मिसाइल से तबाही नहीं रंग बरसेगा। बीजेपी के हथौड़े से होरियार रंगों का वार करेंगे। होली के बाजार में कुल्हाड़ी काटेगी नहीं लोगों पर रंग बरसाएगी। मोदी पिट्ठू गन है तो बिग बॉस भी है। ऐसी म्यूजिक गन जिससे पाइप खींचते ही होली के रंग के साथ गीत बजने शुरू हो जाएंगे। जितने बार पाइप खींचेंगे भरा हुआ रंग निकलेगा और होली के गीत सुखद अहसास कराएंगे। एक नहीं तमाम ऐसी वैरायटी जो आपको रुकने को मजबूर न कर दें। बच्चों के लिए भी जेली टैंक जैसी आकर्षक पिचकारियां मौजूद हैं। पर्व नजदीक हैं ऐसे में थोक बाजार में न केवल शहर आसपास के जिलों से पिचकारियों की खरीद के लिए दुकानदारों का आगमन तेज हो गया है। कुश मिश्र और आलोक गुप्ता बताते हैं कि इस रंग फेंकने वाली पिचकारी की अलग खासियत है। रंग खींचते समय जैसे ही इसके पाइप से रंग भरकर खींचेगे और लोगों पर डालने लगेंगे इसमें से होली के गीत बजना शुरू हो जाएंगे। जब तक पाइप खुला रहेगा, गीत बजते रहेंगे। बंद होते ही म्यूजिक बंद हो जाएगा। इसमें दो सेल लगते हैं। इसकी कीमत 260 रुपया प्रति पीस है। आलोक गुप्ता बताते हैं कि एक पीस मिसाइल की कीमत 180 रुपये है। यह देखने में एक पाइप वाली गन नजर आती है। इसे ब्रह्मोस मिसाइल की तरह बनाया गया है। यह होरियारों पर रंग बरसाने के लिए तैयार है। पिट्टू की विस्तृत रेंज है। कारोबारी टेनी भाई बताते हैं कि इनकी कीमत 75 रुपये से शुरू होकर 500 रुपये तक है। 700 रुपये वाली पिट्ठू गन भी बाजार में है। इसी दायरे में बिग बॉस के सलमान खान भी हैं जो होली को और रंगीन करने को तैयार हैं।

लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे राहुल, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे। वे 2018 में दर्ज मानहानि मामले में सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश होने के लिए आए हैं। एयरपोर्ट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया, जिसके बाद वे सड़क मार्ग से मोहनलालगंज और रायबरेली होते हुए सुल्तानपुर के लिए रवाना हो गए। यह मामला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। वर्ष-2018 में दर्ज इस मानहानि प्रकरण में राहुल गांधी को सुल्तानपुर की एमपीध्एमएलए अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना है।

राज्य मंत्री ने राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025-26 का किया शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा पहली बार आयोजित राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025-26 का शुभारंभ शुक्रवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्वलन, ध्वजारोहण, मार्च पास्ट की सलामी और प्रतिभागियों के शपथ ग्रहण के साथ प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत हुई। इस अवसर पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि विभाग का उद्देश्य कौशल प्रशिक्षण के साथ युवाओं को खेलों से जोड़कर उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में आईटीआई संस्थानों में खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विद्यार्थी शारीरिक रूप से सशक्त और मानसिक रूप से आत्मविश्वासी बन सकें। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन निरंतर प्रयास ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने बताया कि पहली बार आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेशभर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से 579 प्रतिभागी (271 महिला और 308 पुरुष) भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि तीन दिवसीय प्रतियोगिता में 100, 200 और 400 मीटर दौड़, लंबी व ऊंची कूद, शॉटपुट, बैडमिंटन, कबड्डी, वॉलीबॉल, रस्साकशी और खो-खो सहित कुल 13 खेलों में प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता 22 फरवरी तक चलेगी।

आरटीओ में दो दिवसीय परिवहन मेला शुरू,लोग बोले कोई राहत नहीं मिली

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा परिवहन कर प्रणाली में बड़े बदलाव के बाद आज से राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जिला परिवहन कार्यालयों में दो दिवसीय परिवहन मेला शुरू हो गया है। लखनऊ के आरटीओ कार्यालय में 20 और 21 फरवरी को यह विशेष मेला आयोजित किया जा रहा है, जहां वाहन स्वामियों को नई 'वन टाइम टैक्स' व्यवस्था की जानकारी दी जा रही है। मौके पर ही उनकी समस्याओं के समाधान का दावा किया जा रहा है। वहीं, मेले में पहुंचे वाहन मालिक इससे संतुष्ट नहीं दिखे। एक ग्राहक ने कहा कि मेले का कोई मतलब नहीं हुआ। छूट की बात की जा रही है लेकिन कोई राहत नहीं मिली। गाड़ी नहीं चलाई उसके बावजूद टैक्स जमा करना पड़ रहा है। प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश मोटर यान कराधान अधिनियम, 1997 की धारा-4 की उपधारा में संशोधन करते हुए एकमुश्त कर (वन टाइम टैक्स) व्यवस्था लागू की है। इस नई प्रणाली के तहत अब बार-बार कर जमा करने की जटिल प्रक्रिया से राहत देने की बात कही जा रही है। नई व्यवस्था के तहत भाड़े या पारिश्रमिक पर चलने वाले दोपहिया वाहन, तिपहिया मोटर कैब, 10 लाख रुपए तक और 10 लाख रुपए से अधिक मूल्य के मोटर कैब (तिपहिया को छोड़कर), मैक्सी कैब, निर्माण उपकरण, विशेष प्रयोजन वाहन, 3000 किलोग्राम तक और 3000 से 7500 किलोग्राम तक के माल वाहन और राज्य परिवहन उपक्रम के सार्वजनिक सेवा वाहन शामिल किए गए हैं। सरकार का दावा है कि इस व्यवस्था से पारदर्शिता बढ़ेगी और डिजिटल माध्यम से कर भुगतान आसान होगा। यह प्रणाली वाहन पोर्टल पर पहले ही लागू की जा चुकी है। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने वाहन स्वामियों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों से अपील की है कि वे मेले में भाग लेकर नई व्यवस्था का लाभ उठाएं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मौके पर ही शंकाओं का समाधान करें और लंबित मामलों का निस्तारण सुनिश्चित करें। लखनऊ के आरटीओ संजय तिवारी ने बताया कि राजधानी में लगभग 40 हजार कमर्शियल वाहन पंजीकृत हैं। इनमें से करीब 7 से 8 हजार वाहनों का टैक्स बकाया है। उन्होंने बताया कि दो दिनों तक चलने वाले इस मेले में कमर्शियल वाहन मालिकों को सीधी राहत देने की कोशिश की जा रही है। एकमुश्त टैक्स जमा करने पर पेनल्टी में आंशिक छूट भी दी जा रही है। हालांकि, जमीनी स्तर पर कई वाहन मालिक इस व्यवस्था से संतुष्ट नजर नहीं आए। हिमांशु गुप्ता, जिनका 67 हजार रुपए का टैक्स बकाया है, मेले में अपनी समस्या लेकर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मां की तबीयत खराब होने के कारण वे गाड़ी नहीं चला पाए और टैक्स जमा नहीं कर सके। उनके मुताबिक, उन पर 6 हजार रुपए की पेनल्टी लगी थी, जिसमें से 4 हजार रुपए की छूट दी गई, लेकिन उन्हें अब भी 63 हजार रुपए जमा करने हैं। हिमांशु का कहना है, ल्गाड़ी नहीं चलाई, उसके बाद भी पूरा टैक्स देना पड़ रहा है। कोई सुनने को तैयार नहीं है। मेरे लिए यह मेला ज्यादा राहत लेकर नहीं आया। लखनऊ निवासी शैलेंद्र बाजपेई ने बताया कि उन पर 22 हजार रुपए का टैक्स बकाया है। वे मेले में छूट की उम्मीद से पहुंचे हैं। उनका कहना है कि बैठक के बाद ही स्पष्ट होगा कि कितनी राहत मिलेगी, लेकिन बकाया टैक्स तो जमा करना ही पड़ेगा।

पेड़ से लटकता मिला युवती का शव

लखनऊ। राजधानी के बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके घर के बाहर नीम के पेड़ से लटकता मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह घटना बंथरा के मवई पड़ियाना गांव की है। यहां मजदूर राजेश गौतम की 20 वर्षीय बेटी बिंदु गौतम हाईस्कूल की पढ़ाई के बाद घर पर ही रहती थी। गुरुवार रात घर के सभी लोग खाना खाकर सो गए थे। शुक्रवार सुबह करीब 5.30 बजे गांव की एक महिला ने राजेश के घर के सामने नीम के पेड़ पर बिंदु का शव दुपट्टे के सहारे लटकता देखा। महिला ने तुरंत इसकी जानकारी परिजनों को दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। उन्होंने तत्काल बंथरा पुलिस को सूचित किया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शुरुआती छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, युवती ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

बिजलीकर्मियों का थाने पर प्रदर्शन, पावर हाउस में घुसकर महिला ने मारे थे थप्पड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पावर हाउस में घुसकर बिजलीकर्मियों को थप्पड़ मारने की घटना के बाद कर्मी आक्रोशित हैं। बुधवार को एक महिला ग्राहक ने विकासनगर सेक्टर-14 पावर हाउस पर बवाल मचाया था। उसने समस्या की शिकायत की तो उससे कर्मियों ने बिजली बिल डिटेल मांग ली थी। इसी पर गुस्साई महिला ने वहां पहुंचकर थप्पड़ मारे थे। उसके बाद आज, शुक्रवार को दर्जनों बिजलीकर्मियों ने स्थानीय पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। वे पावर हाउस से हाथों में न्याय दो लिखी तख्तियां लेकर विकासनगर थाने पहुंचे। यहां पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। उनका कहना है कि पुलिस अपराधियों को संरक्षण दे रही है। ऐसे लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? कर्मचारी थाने के सामने नारेबाजी करने लगे तो पुलिस ने सख्ती बरती। इसके बाद कर्मचारियों ने नारा लगाना बंद कर दिया और शांत हो गए। कर्मचारियों ने कहा कि जिन लोगों ने उनपर हमला किया उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन सिर्फ बिजली विभाग के कर्मचारियों को थाने पर बुलाकर ही पूछताछ की जा रही है। कर्मचारियों ने मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि घटना के बाद में मनोबल गिर गया है क्योंकि कोई कार्रवाई नहीं हो रही। बुधवार को विकासनगर सेक्टर-14 स्थित पावर हाउस का वीडियो सामने आया था। आरोप है कि विकासनगर सेक्टर-14 निवासी महिला ने कंट्रोल रूम में बिजली नहीं आने की शिकायत की थी। जब उनसे कनेक्शन संख्या बताने का अनुरोध किया गया तो महिला भड़क गई। गुस्से में फोन काट दिया। इसके कुछ देर बाद एक लड़के के साथ पावर हाउस पहुंची। कर्मचारी के साथ जमकर मारपीट और गाली गलौज की। इस दौरान विकासनगर सेक्टर- 14 की रहने वाली महिला ने स्थानीय पावर हाउस स्थित कंट्रोल रूम पर बुधवार दोपहर 2.10 बजे शिकायत की। कहा कि मकान सं-14/115 में बिजली नहीं आ रही है। जब बिजली कर्मचारियों ने उनसे जमा बिल की जानकारी की और कनेक्शन संख्या बताने का अनुरोध किया तो महिला ने गुस्से में फोन काट दिया। कुछ देर बाद महिला एक अन्य व्यक्ति के साथ पावर हाउस पहुंची। वहां घुसते ही उसने बिजली कर्मचारी अनूप कुमार के साथ गाली-गलौच शुरू कर दी। जान से मारने की धमकी देने लगी। कंट्रोल रूम में रखे सरकारी दस्तावेजों को फाड़ दिया। बिजली कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी इस बीच कर्मचारियों ने मोबाइल फोन से वीडियोग्राफी करने की कोशिश की तो महिला ने उनका मोबाइल छीन लिया। बिजली कर्मचारी हरीश यादव का गला दबा दिया। थप्पड़ भी मारे। डॉयल-112 पर फोन करके पुलिस को घटना की सूचना दी गई। मारपीट में उपकेंद्र पर कार्यरत हरीश यादव, आकाश कन्नौजिया, अनूप कुमार और रजनीश यादव को चोट आई है।

फर्जी फर्म बनाकर 37 लाख का जीएसटी चुराया, 3 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में फर्जी दस्तावेज के जरिये फर्म रजिस्टर कर करोड़ों का फर्जी लेनदेन और 37 लाख रुपए का जीएसटी चुराने का मामला सामने आया है। पुलिस ने 3 जालसाजों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी सहित चार अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया कि 3 नवंबर 2025 को भगवती चरण वर्मा ने महानगर का फर्जी पता दिखाते हुए एमएस केएस इंटरप्राइजेज नाम से जीएसटी नंबर लिया था। फर्म के नाम पर करोड़ों की खरीद-बिक्री दिखाई गई थी। जांच में सामने आया कि दिए गए पते पर न तो कोई दफ्तर है, न ही फर्म का कोई अस्तित्व है। मकान मालिक ने भी इसे फर्जी बताया। विवेचना के दौरान पता चला कि दीपक नामक युवक ने साथियों के साथ मिलकर अपने बैंक खातों का इस्तेमाल करते हुए फर्जी फर्म के जरिये करीब 4 करोड़ 70 लाख रुपए का लेनदेन किया। फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाकर सरकार को कुल 37,52,545 रुपए के राजस्व का नुकसान पहुंचाया।

उत्तर प्रदेश को पर्यटन-आतिथ्य क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाना हमारी प्राथमिकता : जयवीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (एमकेआईटीएम) ने पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के सहयोग से ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड में तीन सर्टिफिकेट और एक पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। यह पहल उन छात्रों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है, जो लचीले अध्ययन विकल्प के साथ पर्यटन उद्योग में पेशेवर पहचान बनाना चाहते हैं।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'एमकेआईटीएम द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्र सैद्धांतिक शिक्षा के साथ-साथ औद्योगिक प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकेंगे। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से उन छात्रों के लिए लाभदायक है, जो नियमित कक्षाओं में हिस्सा लेने में असमर्थ हैं। एमकेआईटीएम छात्रों के लिए आवासीय सुविधाएं भी उपलब्ध करवा रहा है। इच्छुक छात्र हॉस्टल की निर्धारित फीस का भुगतान कर निवास तथा नियमित कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं।' एमकेआईटीएम और इग्नू द्वारा संचालित तीनों सर्टिफिकेट कोर्सों- सर्टिफिकेट इन फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन (सीएफओ), सर्टिफिकेट इन फूड एंड बेवरेज सर्विस ऑपरेशन (सीएफबीओ) और सर्टिफिकेट इन हाउसकीपिंग ऑपरेशन (सीएचओ) के लिए योग्यता 10+2 (बारहवीं) उत्तीर्ण होना आवश्यक है। ये सभी कोर्स हिंदी और इंग्लिश दोनों भाषाओं में उपलब्ध हैं। तीनों सर्टिफिकेट कोर्स छह महीने की अवधि के हैं, जिनके लिए 18 क्रेडिट निर्धारित हैं। सर्टिफिकेट कोर्स की कुल फीस 3 हजार रुपये निर्धारित की गई है, इसके अतिरिक्त 400 रुपये पंजीकरण शुल्क देय होगा। सभी सर्टिफिकेट कोर्स के दौरान छात्रों को दो महीने थ्योरी और चार महीने इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि एमकेआईटीएम और इग्नू द्वारा संचालित पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन होटल ऑपरेशन्स (पीजीडीएचओ) एक पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम है। यह होटल इंडस्ट्री में संचालन और प्रबंधन में विशेषज्ञता प्रदान करता है। यह कोर्स उन छात्रों के लिए है, जिन्होंने अपनी स्नातक की डिग्री पूरी कर ली है। कोर्स हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है, जिसके लिए 48 क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं। यह पाठ्यक्रम छात्रों को होटल उद्योग में विभिन्न प्रकार के कार्यों और जिम्मेदारियों के लिए तैयार करता है। पीजीडीएचओ पाठ्यक्रम के लिए 9 हजार रुपये फीस निर्धारित की गई है, जिसके साथ 400 रुपये पंजीकरण शुल्क अलग से देय होगा। पीजी डिप्लोमा कोर्स के दौरान छात्रों को चार महीने थ्योरी और आठ महीने इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग व इंटर्नशिप कराई जाएगी। मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यावसायिक कौशल के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाना है। इच्छुक अभ्यर्थी प्रवेश प्रक्रिया सहित अन्य जानकारी के लिए एमकेआईटीएम (http://www.mkitm.com) या इग्नू (http://www.ignou.ac.in) की आधिकारिक वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं। प्रवेश पोर्टल (दूरस्थ शिक्षा): (https://ignouadmission.samarth.edu.in) पर भी इच्छुक छात्र कोर्स से संबंधित जानकारी ले सकते हैं। सर्टिफिकेट और पीजी डिप्लोमा कोर्स में आवेदन की अंतिम तारीख 28 फरवरी 2026 है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट की गिनती देश के प्रतिष्ठित पर्यटन प्रबंधन संस्थानों में होती है। संस्थान ने अपनी स्थापना के बाद से ही पर्यटन प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका को सिद्ध किया है। यह उच्च गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने के साथ उद्योग जगत को परामर्श सेवाएं देकर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान निरंतर नवाचार की दिशा में कार्य कर रहा है। अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि एमकेआईटीएम द्वारा इग्नू के सहयोग से प्रारंभ किए गए ये ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग पाठ्यक्रम उन युवाओं के लिए सुनहरा अवसर हैं, जो लचीली अध्ययन व्यवस्था के साथ आतिथ्य और होटल उद्योग में पेशेवर पहचान बनाना चाहते हैं। वर्ष 2025 में हुए समझौते के तहत इच्छुक छात्र अब इग्नू द्वारा संचालित टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी के कोर्स एमकेआईटीएम से भी कर सकते हैं। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक युवा कौशल प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें और उत्तर प्रदेश को पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने में अपनी भूमिका निभाएं।

बकायेदारों के खिलाफ अभियान, तीन प्रतिष्ठान सील

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने शुक्रवार, 20 फरवरी 2026 को जोन-8 क्षेत्र में गृहकर बकायेदारों के खिलाफ विशेष कुर्की अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व जोनल अधिकारी जोन-8 विकास सिंह ने किया। इस दौरान श्रद्धेय अटल विहारी बाजपेई वार्ड स्थित मिलेनियम पैलेस परिसर के तीन बकायेदार भवन स्वामियों के खिलाफ कुर्की और सीलिंग की कार्रवाई की गई। नगर निगम के अनुसार शॉप नंबर 19 जीएफ (मिलेनियम पैलेस), शॉप नंबर 09 थर्ड फ्लोर (मिलेनियम पैलेस) तथा शॉप नंबर 14ध्फोर्थ फ्लोर (मिलेनियम पैलेस) पर कुल 12,02,948 रुपये गृहकर बकाया था। निर्धारित समय तक कर जमा न करने पर इन तीनों भवनों,प्रतिष्ठानों को कुर्क करते हुए सील कर दिया गया।कार्रवाई के दौरान शॉप नंबर 19जीएफ (मिलेनियम पैलेस) से 1,00,000 रुपये का आंशिक भुगतान मौके पर कराया गया।

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड
IREL (India) Limited
(A Govt. of India Undertaking, Dept. of Atomic Energy)
Rare Earths Division, Kochi, Kerala

ENGAGEMENT OF APPRENTICES

Applications are invited from eligible candidates for engagement of Apprentices under Apprentices Act, 1961 and subsequent amendments at Rare Earths Division, Udyogamandal, Dist.: Ernakulam, Kerala – 683 501.

Last date is **15/03/2026**. For details please visit 'Careers' page of **www.irel.co.in**.

Sd/-
GM & Head, RED

cbc 48145/12/0010/2526

सुगम यातायात के लिए बेतरतीब खड़ें वाहनों, ढ़ाबों, खोखे आदि तत्काल हटवायें: अनुनय झा

■ मुख्य मार्गो पर वैन्डिग जोन बनवाये व अभियान चलाकर सड़क किनारे खाली करायें: डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानन्द सभागार कलेक्ट्रेट में आहूत की। बैठक में जिलाधिकारी ने सहायक संभागीय अधिकारी एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि नगरीय तथा अन्य मार्गो से गुजरने वाले ओवर लोड वाहनों की चेकिंग करें और सुगम यातायात के लिए सड़को पर बेतरतीब खड़ें होने वाले वाहनों, अवैध रूप से संचालित ढ़ाबों एवं खोखे को तत्काल प्रभाव से हटवायें तथा वन विभाग एनएचए मार्गो के किनारे लगी झाड़ियों को कटवाकर सफाई कराये।

नगर में अतिक्रमण पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि ईओ नगर के मुख्य मार्गो पर वैन्डिग जोन बनवायें तथा मार्गो के किनारे के अतिक्रमण को अभियान चलाकर खाली कराये और बार.बार अतिक्रमण करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें। बढ़ते ई रिक्शों से खराब हो रही यातायात व्यवस्था को सुधारने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने एआरटीओ को निर्देश दिये कि ई रिक्शों के रूट निर्धारित कर क्यूआर कोड जारी करायें और रूट का पालन न करने वालों पर यातायात पुलिस कार्यवाही करें। उन्होने आरटीओ से कहा कि गन्ना भरे वाहनो पर ओवर लोडिंग पर विशेष नजर रखें। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित एनएचएए लखनऊ व कानपुर के अधिकारियों को निर्देश दिये एनएच मार्गो से सभी प्रकार के अतिक्रमण हटवायें।

पीस कमेटी की बैठक संपन्न, आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ मनाएं त्यौहार

पीस कमेटी की बैठक में मौजूद संभ्रांत लोग फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। रमजान और होली के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक कोतवाली परिसर में संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राजनारायण ने की। इस मौके पर नवागत प्रभारी निरीक्षक अरविंद राय भी मौजूद रहे। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण ने कहा आप सभी संभ्रांत जनों से अनुरोध है कि आने वाले पर्व होली और रमजान आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ मनाएं। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा शाहाबाद को शांति प्रिय शहर है। यहां कभी भी कोई विवाद नहीं हुआ है। ठीक इसी तरह से आप लोग आपसी भाईचारा और सद्भाव के साथ एक दूसरे के त्योहारों में शामिल हों और खुशियां मनाएं। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा अगर कोई भी व्यक्ति अमन चैन में खलल करने का प्रयास करता है तो उसकी सूचना क्षेत्र के चौकीदार, बीट प्रभारी, उपनिरीक्षक या सीधे कोतवाली प्रभारी को दे सकते हैं। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। नवागत थाना प्रभारी अरविंद राय ने उपस्थित संभ्रांत जनों से परिचय किया और बताया कि उन्होंने आज ही पदभार ग्रहण किया है इसलिए आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है। सभी लोग सहयोग बनाए रखें पुलिस हर संभव आपका सहयोग और सुरक्षा करेगी।

इस अवसर पर जुनैद अली खान, प्रधान राम रूप, सत्यवीर अजमल खान, रमाकांत आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कोतवाली परिसर के बाल मित्र केंद्र पर समाधान अभियान संस्था एवं इंडिया पेस्टिसाइड लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में श्चुप्पी तोड़य हल्ला बोलश् परियोजना के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत बाल मित्र केंद्र पर लैंगिक शोषण से प्रभावित बच्चों एवं उनके परिजनों को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को सामाजिक न्याय के महत्व से अवगत कराना तथा समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्पष्ट करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोतवाली कछौना कर प्रभारी अमित सिंह उपस्थित रहे साथ ही समाधान अभियान संस्था के सीएफसी ऑर्डिनेटर मृदुल अवस्थी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना एवं सामाजिक न्याय के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

कलाकारो ने अपनी कलाकारी से मन मोहा

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। भगवान श्री रामचंद्र जी के चरित्र में वृंदावन से आए हुए सुन्दर कलाकारों द्वारा लक्ष्मण शक्ति की लीला का मंचन किया गया, जिसमे राम और रावण युद्ध में पहले दिन मेघनाथ युद्ध करने को आया तभी मेघनाथ ने लक्ष्मण जी को शक्ति का प्रयोग किया इधर लक्ष्मण जी को शक्ति लगते ही मुरछित हो गए, और हनुमान जी लक्ष्मण को लेकर राम जी के पास ले गए, राम जी ने देखा तो रोने लगे तभी जामवंत जी ने सुखैन वैध के बारे में बताया तो हनुमान जी सुखैन वैध को उनके घर सहित उठाकर लेआए, तभी वैधजी ने संजीवनी बूटी के बारे में बतलाया तो हनुमान जी दुर्णागिरी पर्वत पर चल दिएएइधर रावण को पता चला तो कालनेम को रास्ता रोकने को भेजा और सूर्पणखा से पूरे पर्वत में आग लगवा दीए इधर हनुमान जी ने कालनेम का वध कर बूटी लेकर आए और लक्ष्मण जी के प्राण बचाए!

कार्यालय ग्राम पंचायत-बूढ़ागाँव, विकास खण्ड-हरियावाँ, जनपद-हरदोई

पत्रांकः-मेमो/ग्रा0पं0/2025-26 दिनाँकः-20.02.2026

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत-बूढ़ागांव द्वारा मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्यो को सम्पन्न कराने हेतु टिन धारक फर्मो से कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु दिनाँक-21.02.2026 से 27.02.2026 तक निविदा आमंत्रित की जाती है जिनका विवरण व शर्ते निम्नवत् है-

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	क्रय की जाने वाली सामग्री	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू0)
01	ग्राम पंचायत बूढ़ागांव में राजकुमार के मकान से शिवशंकर के मकान तक दोनों तरफ नाली व इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य।	467471.00	ईंट प्रथम श्रेणी, इण्टरलॉकिंग ईंट, ईंट रोड़ा, सीमेन्ट, मौरंग, बालू आदि।	9500.00	200.00
02	ग्राम पंचायत बूढ़ागांव में तोरम के मकान से मस्जिद तक दोनों तरफनाली व इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य।	921866.00	ईंट प्रथम श्रेणी, इण्टरलॉकिंग ईंट, ईंट रोड़ा, सीमेन्ट, मौरंग, बालू आदि।	18500.00	200.00

नियम व शर्तेः-

01. वर्णित कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति के सापेक्ष 2 प्रतिशत निविदा पत्र के साथ धरोहर धनराशि ग्राम पंचायत-बूढ़ागांव के पक्ष में एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0 के रूप में बन्धक की जानी होगी। आपूर्ति सामग्री के सापेक्ष बिल भुगतान पर 10 प्रतिशत धनराशि की कटौती की जायेगी।
02. निविदा प्रपत्र दिनांक-21.02.2026 से 27.02.2026 तक प्रातः 10:00 बजे से अपरान्ह 02:00 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत-बूढ़ागांव से नकद रूपये जमा करके प्राप्त किये जा सकते है।
03. समस्त निविदायें दिनांक 21.02.2026 से 27.02.2026 तक कार्यालय ग्राम पंचायत बूढ़ागांव में रखे निविदा बाक्स में 02:00 बजे तक डाली जा सकेंगी। तदोपरान्त प्रधान ग्राम पंचायत-बूढ़ागांव की अध्यक्षता में कार्यालय द्वारा गठित समिति के समक्ष दिनांक-28.02.2026 को खोली जायेंगी।
04. वर्णित कार्य पर सामग्री आपूर्ति हेतु व्यापार कर पंजीकृत फर्मो से ही निविदा आमंत्रित की जाती है।
05. अपूर्ण/अधूरी निविदायें स्वीकार नहीं की जायेगी।
06. समस्त आपूर्ति की गई सामग्री के बिलों के भुगतान पर निर्धारित दर से करो की कटौती की जायेगी।
07. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार गठित निविदा समिति को होगा।

(गुड़िया सिंह)
प्रधान
ग्राम पंचायत-बूढ़ागाँव,
विकास खण्ड-हरियावाँ, हरदोई।

(सन्तोष सिंह)
सचिव
ग्राम पंचायत-बूढ़ागाँव,
विकास खण्ड-हरियावाँ, हरदोई।

जन सनुवाई में सुनी 67 शिकायतें

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई

मे आज कुल 67 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जन सुनवाई मे आज एक निराश्रित महिला पेशनए एक बाल सेवा योजना तथा एक व्यकित को दिव्यांग पेशंन योजना का लाभ दिलाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जनसुनवाई मे प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

सड़क दुर्घटना में मृतक की पत्नी ने रिपोर्ट दर्ज कराई

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। 16 दिसंबर को सड़क दुर्घटना में घायल ग्रामीण की इलाज के दौरान हुई मौत के मामले में उसकी पत्नी ने कोतवाली में आरोपी डाला चालक के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कराई है। शाहाबाद कोतवाली के ग्राम गौहनिया निवासी श्रीदेवी पत्नी श्रीपाल के अनुसार 16 दिसंबर 2025 को उसका पति श्रीपाल भतीजे अवधेश के साथ बाइक से शाम को ०4:00 बजे शाहाबाद से घर वापस लौट रहे थे। पाली मार्ग पर तेज रफ्तार डाला लेकर आ रहे कप्तान पुत्र बाबू निवासी कुमहारन पुरवा मजरा गौहनिया ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को तत्काल सीएचसी ले जाया गया। हालत चिंताजनक होने के कारण मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया। जहां 24 दिसंबर को इलाज के दौरान उसके पति श्रीपाल की मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक अरविंद राय ने बताया आरोपी डाला चालक के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

पति सहित चार ससुराली जनों पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया

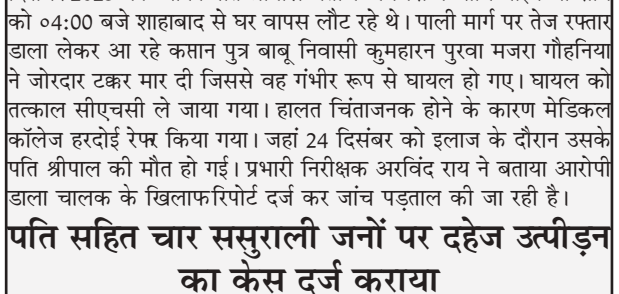

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के उधरनपुर निवासी पति सहित चार ससुराली जनों पर एक विवाहिता ने दहेज में 10 लाख रुपए की नगदी न मिलने के कारण घर से निकाल देने और गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पाली थाना क्षेत्र के ग्राम परेली निवासी आंचल मिश्रा पुत्री उमेश पाठक के अनुसार उसका विवाह 27 जनवरी 2023 को उधरनपुर निवासी प्रत्यूष मिश्रा पुत्र प्रदीप मिश्रा के साथ संपन्न हुआ था। जिसमें उसके पिता ने अपनी हैसियत के हिसाब से दान दहेज भी दिया लेकिन ससुराल पक्ष के लोग दहेज से संतुष्ट नहीं थे, और लगातार 10 लाख रुपए नगदी की मांग कर रहे थे। आंचल के अनुसार उसने इतनी नकदी देने के लिए असमर्थता जताई है तो 18 जनवरी 2026 को शाम ०7:30 बजे उसे पति प्रत्यूष मिश्रा, ससुर प्रदीप मिश्रा, सास गीता मिश्रा, ननद सौम्या मिश्रा द्वारा जानमाल की धमकी देते हुए घर से निकाल दिया गया। प्रभारी निरीक्षक अरविंद राय ने बताया आरोपी ससुरली जनों पर केस दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

तालाब में डूबी तीन किशोरियां, एक सुरक्षित निकली, दो लापता

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकास खंड ग्राम सभा देहलिया के मजरा रामपुर में आज शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब सिंघाड़े बिनने गईं तीन किशोरियां तालाब के गहरे पानी में डूब गईं। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और चिंता का माहौल व्याप्त हो गया। जानकारी के अनुसारए प्रियंका (12), और आरुषि (13) पुत्री कमलेश तालाब में डूबकर लापता हो गईं, जबकि जानवी (14) को ग्रामीणों की सतर्कता से सुरक्षित

बाहर निकाल लिया गया। जानवी की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि तीनों किशोरियां तालाब में सिंघाड़े निकालने गई थीं। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वे गहरे पानी में चली गईं। जानवी की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसे बाहर निकाल लिया, लेकिन अन्य दो किशोरियों का देर तक कोई सुराग नहीं लग सका। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए और ग्रामीणों की मदद से खोज अभियान शुरू किया गया। समाचार लिखे जाने तक दोनों लापता किशोरियों की तलाश जारी है घटना के बाद तालाब सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे लेकिन अभी शव बरामद नहीं हुआ। ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर डटे है मौके पर पहुंची सेकेंड बटालियन सीतापुर पीएसी द्वारा सर्च ऑपरेशन जारी है।

साण्ड ने वृद्ध किसान पर किया जानलेवा हमला

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे अरवल थाना क्षेत्र के ग्राम जगन्नाथपुरवा में एक सांड ने वृद्ध किसान पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया हैं। जानकारी के अनुसारए राजकुमार (62) पुत्र मैकू अपने गेहूं के खेत में गए थे। वहां आवारा सांड खड़ी फसल चर रहे थे। जब राजकुमार अपनी फसल बचाने के लिए सांडों को खेत से बाहर भगाने लगेए तभी एक सांड ने उन पर हमला बोल दिया। इस हमले में वृद्ध के सीने के बाईं ओर गंभीर चोटें आईं हैं। आसपास खेतों में मौजूद किसानों ने सांड को भगाकर परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने आनन.फानन में घायल राजकुमार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरपालपुर में पहुँचाया। प्राथमिक उपचार के बाद, वृद्ध की नाजुक हालत को देखते हुए ड्यूटी पर तैनात चिकित्सा अधिकारी ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल हरदोई रेफर कर दिया है।

सीडीओ ने किया निरीक्षण कर कार्य की प्रगति को देखा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। शुक्रवार को सान्या छाबड़ा, मुख्य विकास अधिकारी हरदोई द्वारा विकास खंड कार्यालय माधौगंज का निरीक्षण पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया गया। निरीक्षण के समय ब्लॉक परिसर, प्रशासनिक भवन, आवासीय परिसर, मनरेगा सेल, एनआरएलएम सेल, सहायक विकास अधिकारी पंचायत कक्ष देखा गया। प्रशासनिक भवन में विभिन्न पटलों पर अभिलेखों का रख-रखाव, परिसर की साफ-सफाई एवं जन सामान्य द्वारा प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण की स्थिति के साथ ही विभिन्न योजनाओं की प्रगति का अवलोकन किया गया। पारिवारिक लाभ योजना के फॉर्म सत्यापन हेतु लंबित पाये जाने पर उत्तरदाई ग्राम विकास अधिकारी स0क0 श्री शैलेन्द्र कुमार को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया।

ब्लॉक परिसर में पार्किंग स्थल निर्माण कराने एवं औषधीय व शोभाकारी वृक्ष लगाकर पार्क के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। ब्लॉक परिसर में बी0आर0जी0एफ0 के अंतर्गत लगभग 15 साल से अधूरे पड़े सभागार के संबंध में खंड विकास अधिकारी से विस्तृत आख्या उत्तरदायित्व निर्धारण सहित उपलब्ध कराने एवं उक्त निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय खंड विकास अधिकारी सर्वेश कुमार अपने अधीनस्थ स्टाफ के साथ उपस्थित रहे। ब्लॉक निरीक्षण के उपरांत मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्रामीण चौपाल ककरा खेड़ा ब्लॉक बिलग्राम में प्रतिभाग किया गया तथा विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं के बारे में जन सामान्य को जानकारी देते हुए उनका फीडबैक प्राप्त किया गया। ग्रामीण चौपाल में चिकित्सा विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कैंप लगाकर 30 वर्ष से ऊपर के 153 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें उचित चिकित्सीय परामर्श दिया गया। कृषि विभाग द्वारा फार्मर रजिस्ट्री कैंप लगाकर 17 लोगों की मौके पर फार्मर रजिस्ट्री की गई। आपूर्ति विभाग द्वारा कैंप लगाकर 03 लोगों के राशन कार्ड संबंधी समस्याओं को दूर किया गया। विद्युत विभाग द्वारा कैंप लगाकर मौके पर 04 लोगों के बिल जमा करने के साथ ही 12 उपभोक्ताओं की विद्युत मीटर संबंधी समस्याओं को पंजीकृत कर उनके निस्तारण के निर्देश संबंधित को दिए। ग्रामीण चौपाल में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा एसआईआर के कार्य की प्रगति को देखा गया तथा बी0एल0ओ0 एवं सचिव से वार्ता कर ग्राम में अवशेष 36 लोगों की परिवार रजिस्टर की नकल आज ही जारी करने के निर्देश ग्राम पंचायत सचिव को दिए गए। आयुष्मान कार्ड की समीक्षा करते हुए 70 वर्ष के ऊपर के सभी लोगों को आयुष्मान कार्ड बनवाने हेतु प्रेरित किया गया एक व्यक्ति कुरेंद्र पाल द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने का अनुरोध किया गयाए मुख्य विकास अधिकारी द्वारा आधार देखकर 70 वर्ष की आयु पूर्ण होने के कारण तुरंत आयुष्मान कार्ड बनवाकर मौके पर ही उपलब्ध करा दिया गया। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा एक बच्चे का अन्नप्राशन एवं एक महिला का गोद भराई संस्कार भी आयोजित किया गया। ग्रामीण चौपाल में मुख्य विकास अधिकारी के साथ उप जिलाधिकारी बिलग्राम नन्हे राम, खंड विकास अधिकारी बिलग्राम नीरज शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलग्राम डॉ राजेंद्र कुमार के साथ ही राजस्व विभाग पुलिस विभाग ग्राम विकास विभाग कृषि विभाग विद्युत विभाग जल निगम के साथी विभिन्न विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

हत्या हरण तीर्थ में संत महात्माओं ने लगाई आस्था की डुबकी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कोथावाँ (हरदोई)। नैमिषारण्य 84 कोसी परिक्रमा हरदोई जिले के दूसरे पड़ाव के अंतर्गत श्री हत्या हरण तीर्थ पर संत महात्माओं ने लगाई आस्था की डुबकी क्षेत्रीय लोगों की माने तो इस वर्ष परिक्रमा में संत महात्मा एवं ग्रस्तों की काफी भीड़ देखने को मिली है परिक्रमा को इस बार तहसील प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन का भी अच्छा खासा सहयोग मिला है पुलिस प्रशासन की सतर्कता को देखते हुए अभी तक किसी भी प्रकार की कोई सूचना संज्ञान में नहीं आई है और श्रद्धालुओं की पहले से ज्यादा भीड़ को देखते प्रशासन एकदम अलर्ट मोड पर रहा परिक्रमा पढ़ाओ की व्यवस्था देख संत महात्माओं की नाराजगी को देखते हुए खासकर नैमिष कथा वाचक पीठाधीश्वर अनिल शास्त्री की नाराजगी के बाद उप जिला अधिकारी नारायणी भाटिया संडीला तहसीलदार आकांक्षा अग्निहोत्री के निर्देशन पर हत्या हरण तीर्थ की बिजली एवं साफसफाई की व्यवस्था दुरुस्त कराई गई सभी मार्गों की व्यवस्थाएं जहां चाक चौबंद 2 दिन में की गई है वहीं पर जल स्वास्थ्य बिजली सड़क साफसफाई जैसी व्यवस्थाएं खंड विकास अधिकारी कोथावां ने सक्रियता दिखाते हुए कार्य में लापरवाही बरतने पर कई ग्राम पंचायत के अधिकारियों का वेतन रोका और कार्यवाही की तभी अचानक व्यवस्थाएं रंग लाई अब दुरुस्त नजर आने लगी हैं। जर्जर मार्गो एवं अव्यवस्थाओं का कुछ दिन पूर्व राष्ट्रीय प्रस्तावना ने खबर को प्रकाशित किया था जिसका साधु संत महात्माओं ने स्वागत किया था और प्रशासन भी हरकत में आया व्यवस्थाएं चाक.चौबंद कर दी। जिससे अब परिक्रमार्थियों को राहत नजर आने लगी है। परिक्रमा पर आए साधु संत एवं देश.विदेश से परिक्रमार्थी 15 दिनों तक 84 कोसी परिक्रमा में पैदल ही मार्ग को तय करते हैं। संत महात्माओं के अनुसार मान्यता यह भी है कि पौराणिक तीर्थ श्री हत्या हरण भगवान राम भी त्रेता युग में इसी परिक्रमा में आए थे और यहां से स्नान कर ब्रह्म दोष से मुक्त हुए थे यहां पर विशेष रूप से श्री हनुमान जी महाराज एवं पंचमुखी भोले बाबा विराजमान है जिनका वर्णन शिवपुराण द्वादश अध्याय में आता है जिनके दर्शन करके व्यक्ति अपने मोक्ष की कामना करता है श्री हत्या हरण तीर्थ प्रांगण में ही समस्त लोक कल्याण एवं मानव कल्याण हेतु 14 वर्षों तक अनवरत चलने वाला श्री सीताराम नाम संकीर्तन भी चल रहा है जिसमें 366 टीम में बनाई गई है हर टीम को वर्ष में एक बार अपनी डेट के अनुसार श्री सीताराम नाम संकीर्तन करने का सौभाग्य प्राप्त होता है समस्त मानव जाति के कल्याण हेतु इस श्री सीताराम नाम संकीर्तन में क्षेत्रीय एवं आसपास के कई जिलों से टीमें बनाई गई है श्री हनुमान जी महाराज की अध्यक्षता एवं संरक्षता 3 वर्षों से निरंतर श्री सीताराम नाम संकीर्तन चल रहा है क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि अगर हनुमान जी महाराज की कृपा रही तो निरंतर चलता भी रहेगा जिसका समापन दिवस चैत्र पूर्णिमा 2037 होगा इस अनुष्ठान में भी शासन प्रशासन एवं क्षेत्रीय लोगों का काफी सहयोग बना रहता है गत वर्षो की भांति इस वर्ष शासन प्रशासन काफी गंभीर था लेकिन कुछ अधिकारियों की लापरवाही के चलते उदासीनता भी नजर आ रही थी उसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों साधु संतों ने सभी मार्गों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश देते रहे लेकिन फिर भी जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां होने पर। पीठाधीश्वर अनिल शास्त्री ने परिक्रमा न करने का निर्णय लिया अब व्यवस्थाएं जब सही नजर आने लगी तो उन्होंने भी सभी पड़ाव स्थलों पर पहुंचने का ऐलान कर दिया है और कहा है जो सीतापुर हरदोई प्रशासन द्वारा कार्य किया गया है वह सराहनीय है और अब साधु संतों भक्तों को कठिनाइयों से नहीं गुजरना पड़ेगा।

नए खण्ड विकास अधिकारी की तैनाती की गई

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ब्लॉक में प्रशासनिक फेरबदल के तहत नए खंड विकास अधिकारी की तैनाती की गई है। कोथावां से स्थानांतरित होकर आए सुरेंद्र सिंह राणा ने शुक्रवार को ब्लॉक मुख्यालय पहुँचकर अपना पदभार ग्रहण कर लिया।

बता दें कि ब्लॉक मुख्यालय पर अब तक यहाँ दो खंड विकास अधिकारी तैनात थे। संजय दोहरे प्रशासनिक कार्यों और अशोक कुमार द्विवेदी मनरेगा का कार्य देख रहे थे। शासन के निर्देशानुसार इन दोनों अधिकारियों को यहाँ से हटा दिया गया है और अब पूरे ब्लॉक की कमान सुरेंद्र सिंह राणा को सौंपी गई है। कार्यभार संभालते ही नए बीडीओ ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर ग्राम पंचायत और पात्र व्यक्ति तक पहुँचाना है। उन्होंने संकल्प जताया कि वे पूरी पारदर्शिता के साथ काम करेंगे ताकि हरपालपुर को एक **आदर्श ब्लॉक** बनाया जा सके।

पदभार ग्रहण करते नवनियुक्त बीडीओ सुरेंद्र सिंह राणा

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै मुल्ला पुत्र भिखारी, पताः- ग्राम सैदूपुर, मजरा-समोधा, थाना कछौना, तहसील-सण्डीला, जनपद-हरदोई का निवासी हूँ। मै अपने पुत्र सर्वेश व पुत्रवधू रामरानी के चाल-चलन व गलत कृत्यो से काफी क्षुब्ध, दुखी व परेशान हूँ, जिसके चलते मै अपने पुत्र सर्वेश व पुत्रवधू रामरानी दोनो से सम्बन्ध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से हमेशा के लिए बेदखल/निष्कासित कर रहा हूँ। अब भविष्य में मेरे पुत्र सर्वेश व पुत्रवधू रामरानी द्वारा किये गये किसी भी नैतिक व अनैतिक कार्योए लेन-देन से मेरा व मेरे परिवारीजनों को कोई सरोकार नहीं होगा, वह दोनों स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

इमरान के लिए आगे आए सुनील, कपिल

क्रिकेट को भद्रजनों का खेल क्यों कहा जाता है, यह बात 14 पूर्व कप्तानों ने साबित कर दिखाई है। पूर्व प्रधानमंत्री और क्रिकेटर इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर पांच देशों के 14 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों ने पाकिस्तानी सरकार को पत्र लिखा है। इन पूर्व कप्तानों ने पाकिस्तान की सरकार से मांग की है कि इमरान खान के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए और उनका बेहतर तरीके से इलाज कराया जाए। अच्छी बात ये है कि इस पत्र के हस्ताक्षरकर्ताओं में सुनील गावस्कर और कपिल देव भी हैं, और साथ में सौरव गांगुली ने भी इमरान खान के लिए चिंता जाहिर की है। वर्ना बीते कुछ वक्त से भारत और पाकिस्तान के बीच मैच का भी ऐसा राजनीतिकरण किया गया है जिसे देखकर अफसोस होता है। दोनों देशों के बीच दुश्मनी का फायदा हमेशा से राजनेताओं को होता रहा है, इसलिए इसे खत्म करने की जगह बढ़ाया जाता रहा है। लेकिन यह देखकर दुख होता है कि जनता कितने जल्दी झांसे में आ जाती है। पुलवामा, पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के बीच जो सामान्य शिष्टाचार के तहत बात होती थी, वह भी बंद है। लेकिन भारत-पाक के मैच में सट्टेबाजी और विज्ञापनों से होने वाली कमाई को दोनों देश नहीं खोना चाहते, इसलिए जानी दुश्मनी दिखाने के बावजूद मैच खेले जा रहे हैं। उस पर तुर्रा यह कि क्रिकेट खिलाड़ी मैदान में एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाएंगे। खिलाड़ी अगर ये कहें कि हम मैच फीस नहीं लेंगे, तब तो उनकी देशभक्ति समझ आए, लेकिन कमाई भी करेंगे और खेल भावना का परिचय भी नहीं देंगे, यह कैसा दोहरा चरित्र है। बहरहाल, नए दौर के खिलाड़ियों ने खेल भावना न दिखाकर जितना निराश किया है, पुराने दौर के दिग्गज खिलाड़ियों ने उससे कहीं ज्यादा उम्मीद से भर दिया है। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और कपिल देव, ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ, ईयान चौपल, किम ह्यूज और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान बेलिंडा क्लार्क, इंग्लैंड के माइक अथर्टन, नासिर हुसैन, माइक ब्रेयरली और डेविड गॉवर, वेस्ट इंडीज के क्लाइव लॉयड और न्यूजीलैंड के जॉन राइट ने पाकिस्तान की सरकार को अपने हस्ताक्षर के साथ पत्र भेजा है, जिसमें कहा गया है कि श्हम अपने-अपने देशों की राष्ट्रीय क्रिकेट टीमों के पूर्व कप्तान हैं और इमरान खान के साथ हुए कथित व्यवहार और जेल के हालात को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। इमरान खान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान होने के साथ-साथ विश्व क्रिकेट के एक दिग्गज खिलाड़ी भी हैं। कप्तान के रूप में उन्होंने 1992 क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को ऐतिहासिक जीत दिलाई। एक ऐसी जीत जो कौशल, दृढ़ता, नेतृत्व और खिलाड़ियों वाली भावना पर आधारित थी और जिसने पीढ़ियों को प्रेरित किया। हममें से कई लोगों ने उनके खिलाफ खेला, उनके साथ मैदान साझा किया, या फिर उनकी ऑलराउंड क्षमता, व्यक्तित्व और प्रतिस्पर्धी जज्बे की वजह से उन्हें अपना आदर्श माना। वह आज भी दुनिया के सबसे बेहतरीन ऑलराउंडरों और कप्तानों में गिने जाते हैं, जिन्हें खिलाड़ी, प्रशंसक और प्रशासक सभी सम्मान देते हैं। क्रिकेट के अलावा इमरान खान ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में भी काम किया। राजनीतिक नजरिए से अलग उन्हें अपने देश के सबसे ऊंचे पद पर लोकतांत्रिक तरीके से चुने जाने का सम्मान मिला है। पत्र में आगे उनकी सेहत को लेकर गंभीर चिंता जताई गई है, और खासकर हिरासत में रहते हुए उनकी नजर तेजी से खराब होने की बात कही गई है। इस पत्र में लिखा है, श्क्रिकेटर होने के नाते हम निष्पक्षता, सम्मान और खेल भावना के उन मूल्यों को समझते हैं जो मैदान की सीमाओं से आगे जाते हैं। हम मानते हैं कि इमरान खान जैसी शख्सियत के साथ गरिमा और बुनियादी मानवीय संवेदनाओं के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इस पत्र में शाहबाज सरकार से तीन मांगें की गई हैं। पहली मांग इमरान खान की इच्छा के मुताबिकष् योग्य विशेषज्ञ डॉक्टरों से उनका तुरंत और लगातार इलाज कराया जाए। दूसरी मांग, अंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से जेल के मानवीय और सम्मानजनक हालात बनाए जाएं, जिनमें परिवार के सदस्यों से नियमित मुलाकात शामिल हो।

पूर्व प्रधानमंत्री और क्रिकेटर इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर पांच देशों के 14 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों ने पाकिस्तानी सरकार को पत्र लिखा है। इन पूर्व कप्तानों ने पाकिस्तान की सरकार से मांग की है कि इमरान खान के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए और उनका बेहतर तरीके से इलाज कराया जाए। अच्छी बात ये है कि इस पत्र के हस्ताक्षरकर्ताओं में सुनील गावस्कर और कपिल देव भी हैं, और साथ में सौरव गांगुली ने भी इमरान खान के लिए चिंता जाहिर की है। वर्ना बीते कुछ वक्त से भारत और पाकिस्तान के बीच मैच का भी ऐसा राजनीतिकरण किया गया है जिसे देखकर अफसोस होता है।

हरियाणा में एचआईवी: पहचान मजबूत, रोकथाम अभी अधूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

राज्य में 104 एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र और 24 एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) केंद्रों का संचालन इस बात का संकेत देता है कि जांच के बाद मरीजों को इलाज की निरंतर श्रृंखला से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 40,000 से अधिक लोगों का नियमित उपचार यह स्पष्ट करता है कि नीति केवल घोषणाओं और कागजी योजनाओं तक सीमित नहीं है। एचआईवी जैसे दीर्घकालिक और आजीवन प्रबंधन की मांग करने वाले रोग में इलाज की निरंतरता उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी प्रारंभिक पहचान। इस मोर्चे पर हरियाणा की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, जो कई अन्य राज्यों के लिए एक सीख भी हो सकती है।

वित्त वर्ष 2025-26 में हरियाणा सरकार द्वारा 12.4 लाख से अधिक लोगों की एचआईवी जांच और 5877 पॉजिटिव मामलों की पहचान- यह तथ्य पहली दृष्टि में सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की सक्रियता, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और नीति-स्तरीय गंभीरता का प्रमाण प्रतीत होता है। इतने बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग किसी भी राज्य के लिए न तो सरल होती है और न ही सहज। इसके लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल, संस्थागत ढांचा और निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है। इस दृष्टि से देखें तो यह उपलब्धि हरियाणा की स्वास्थ्य व्यवस्था की क्षमता और प्राथमिकताओं को दर्शाती है। यह पहल इस बात का भी संकेत है कि राज्य ने एचआईवी को अब केवल सीमित समुदायों या हाशिये के समूहों से जोड़कर देखने के पुराने और संकीर्ण नजरिये से आगे बढ़कर एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में स्वीकार किया है लेकिन यही आंकड़े जब गहराई से पढ़े जाते हैं, तो वे एक साथ यह चेतावनी भी देते हैं कि संक्रमण की सामाजिक, आर्थिक और व्यवहारिक जड़ें अभी भी मजबूत बनी हुई हैं। सवाल यह नहीं है कि कितने लोगों की जांच हुई, बल्कि यह है कि संक्रमण को जन्म देने वाले कारणों पर कितनी प्रभावी रोक लगी। राज्य में 104 एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र और 24 एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) केंद्रों का संचालन इस बात का संकेत देता है कि जांच के बाद मरीजों को इलाज की निरंतर श्रृंखला से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 40,000 से अधिक लोगों का नियमित उपचार यह स्पष्ट करता है कि नीति केवल घोषणाओं और कागजी योजनाओं तक सीमित नहीं है। एचआईवी जैसे दीर्घकालिक और आजीवन प्रबंधन की मांग करने वाले रोग में इलाज की निरंतरता उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी प्रारंभिक पहचान। इस मोर्चे पर हरियाणा की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, जो कई अन्य राज्यों के लिए एक सीख भी हो सकती है। इस अभियान का सबसे सकारात्मक और दूरगामी प्रभाव गर्भवती महिलाओं की बड़े पैमाने पर जांच में दिखाई देता है। 5.65 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग और 613 पॉजिटिव मामलों की पहचान यह दर्शाती है कि मां से बच्चे में संक्रमण रोकने को गंभीरता से प्राथमिकता दी जा रही है। चिकित्सा विज्ञान यह स्पष्ट कर चुका है कि यदि समय रहते एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिला को उपचार और परामर्श मिल जाए तो नवजात को संक्रमण से लगभग पूरी तरह बचाया जा सकता है। यह केवल एक चिकित्सा सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है, क्योंकि एचआईवी-मुक्त शिशु को उस कलंक और भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ता, जो आज भी संक्रमित बच्चों के जीवन को सीमित कर देता है। दिसंबर 2021 से लागू 2250 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता योजना, जिसके तहत अब तक 54.3 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं, यह संकेत देती है कि राज्य सरकार बीमारी को केवल चिकित्सा समस्या के रूप में नहीं देख रही। एचआईवी से प्रभावित व्यक्ति अक्सर रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और आर्थिक स्थिरता- तीनों से वंचित हो जाता है। बीमारी के साथ जुड़ा सामाजिक भय और भेदभाव उसकी आजीविका के अवसरों को भी सीमित कर देता है। ऐसे में यह वित्तीय सहायता इलाज के साथ जीवन की बुनियादी गरिमा बनाए रखने का एक प्रयास है। भले ही मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में यह राशि अपर्याप्त प्रतीत हो। फिर भी, कुल जांच के मुकाबले 0.47 प्रतिशत की पॉजिटिविटी दर को हल्के में नहीं लिया जा सकता। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह मानते आए हैं कि एचआईवी के मामले अक्सर वास्तविक संख्या से कम रिपोर्ट होते हैं। सामाजिक कलंक, भय, गोपनीयता को लेकर आशंका और जानकारी की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग स्वैच्छिक जांच से बचते हैं। ऐसे में सामने आए 5877 मामले संभवतः समस्या की पूरी तस्वीर नहीं, बल्कि उसका एक सीमित हिस्सा मात्र हैं। यह दर राज्य में मौजूद उन सामाजिक कारकों की ओर भी संकेत करती है, जो संक्रमण को बढ़ावा देते हैं- जैसे नशीली दवाओं का बढ़ता दुरुपयोग, असुरक्षित यौन व्यवहार, तेज शहरीकरण और प्रवासी श्रमिकों की अस्थिर जीवन-स्थितियां। यौनकर्मी, ट्रक चालक, निर्माण श्रमिक और नशीली दवाओं के आदी लोग आज भी संक्रमण की श्रृंखला में सबसे अधिक जोखिम में हैं। इनके लिए चलाई जा रही लक्षित परियोजनाएं और ओपिओइड प्रतिस्थापन केंद्र निःस्संदेह सही दिशा में कदम हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभाव अभी भी सीमित दिखाई देता है। नशे की समस्या को केवल उपचार या दवा वितरण तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं होगा। जब तक इसे सामाजिक पुनर्वास, रोजगार के अवसरों और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन से नहीं जोड़ा जाता, तब तक एचआईवी नियंत्रण अधूरा ही रहेगा। इस पूरी लड़ाई में सबसे बड़ी और सबसे अदृश्य बाधा आज भी कलंक है। लोग बीमारी से कम और समाज की प्रतिक्रिया से अधिक डरते हैं। एचआईवी आज भी नैतिकता, चरित्र और गलती के साथ जोड़कर देखा जाता है, जबकि यह एक चिकित्सकीय स्थिति है। यही सोच लोगों को जांच से दूर रखती है, इलाज में देरी कराती है और संक्रमण को चुपचाप फैलने का अवसर देती है। रेड रिबन क्लब, रेडियो जिंगल और सोशल मीडिया अभियानों से जागरूकता बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण इलाकों और पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं तक यह संदेश अभी भी पूरी मजबूती से नहीं पहुंच पाया है। एचआईवी नियंत्रण को केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी मानना एक बड़ी रणनीतिक भूल होगी। सुरक्षित प्रवास, श्रमिक कल्याण, नशामुक्ति, लैंगिक समानता और वैज्ञानिक यौन शिक्षा, ये सभी विषय सीधे इस समस्या से जुड़े हैं। प्रवासी श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर जांच, परामर्श और इलाज की व्यवस्था न केवल संक्रमण को नियंत्रित कर सकती है, बल्कि उनकी उत्पादकता और सामाजिक सुरक्षा भी बढ़ा सकती है। परिवहन, श्रम, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभागों के साथ समन्वय के बिना कोई भी प्रयास स्थायी परिणाम नहीं दे सकता। भारत के एड्स मुक्त लक्ष्य को हासिल करने में राज्यों की भूमिका निर्णायक है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा तय की गई रणनीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करने में हरियाणा जैसे संसाधन-संपन्न और प्रशासनिक रूप से सक्षम राज्य अगर संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हैं, तो वे केवल आंकड़ों में सफलता हासिल नहीं करेंगे, बल्कि नीति-मॉडल के रूप में भी उभर सकते हैं। अंततः, हरियाणा का एचआईवी जांच अभियान निःस्संदेह एक बड़ी उपलब्धि है। इसने यह साबित किया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के साथ बड़े पैमाने पर सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप संभव हैं, लेकिन यह सफलता तभी पूर्ण मानी जाएगी जब इसके साथ जुड़ी चेतावनियों को गंभीरता से सुना जाए। यदि राज्य कलंक तोड़ने, रोकथाम को इलाज जितनी प्राथमिकता देने और संक्रमण के सामाजिक कारणों पर ईमानदारी से काम करने में सफल होता है, तो आज के आंकड़े कल की सफलता की कहानी बनेंगे। अन्यथा, यही आंकड़े भविष्य के एक बड़े और गहरे संकट का शुरुआती संकेत बनकर रह जाएंगे।

भाषाई विविधता का भविष्य: युवाओं की भूमिका निर्णायक

योगेश कुमार गोयल

विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति व बौद्धिक विरासत की रक्षा करने, भाषायी तथा सांस्कृतिक विविधता एवं बहुभाषावाद का प्रचार करने और दुनियाभर की विभिन्न मातृभाषाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनके संरक्षण के लिए यह उत्सव मनाने का दिवस है। साथ ही यह भाषाओं की विविधता और बहुभाषिता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी समय है। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का एक महत्वपूर्ण कारण बहुभाषिता को बढ़ावा देना भी है। बहुभाषिता एक से अधिक भाषा बोलने की क्षमता है, जो कई मायनों में फायदेमंद हो सकती है। यह लोगों को विभिन्न संस्कृतियों को समझने में मदद कर सकती है और उन्हें बेहतर संचारक भी बना सकती है। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प्रतिवर्ष एक महत्वपूर्ण थीम के साथ मनाया जाता है।

मानव जीवन में भाषा महत्व को देखते हुए यूनेस्को द्वारा हर साल 21 फरवरी को वैश्विक स्तर पर 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' मनाता जाता है। विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति व बौद्धिक विरासत की रक्षा करने, भाषायी तथा सांस्कृतिक विविधता एवं बहुभाषावाद का प्रचार करने और दुनियाभर की विभिन्न मातृभाषाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनके संरक्षण के लिए यह उत्सव मनाने का दिवस है। साथ ही यह भाषाओं की विविधता और बहुभाषिता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी समय है। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का एक महत्वपूर्ण कारण बहुभाषिता को बढ़ावा देना भी है। बहुभाषिता एक से अधिक भाषा बोलने की क्षमता है, जो कई मायनों में फायदेमंद हो सकती है। यह लोगों को विभिन्न संस्कृतियों को समझने में मदद कर सकती है और उन्हें बेहतर संचारक भी बना सकती है। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प्रतिवर्ष एक महत्वपूर्ण थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 का विषय है 'बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की राय', जो भाषाई विविधता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी की रक्षा, पुनर्जीवन और उपयोग में युवाओं की आवश्यक भूमिका को उजागर करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि शिक्षा प्रणाली समावेश को बढ़ावा देने के लिए शिक्षार्थियों की मातृभाषाओं को पहचानती और उनका समर्थन करती है। 2025 में यह दिवस 'भाषाएं मायने रखती हैं: अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोह' विषय के साथ मनाया गया था। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024 और 2023 की थीम क्रमशः 'बहुभाषी शिक्षा अंतर पीढ़ीगत शिक्षा का एक स्तंभ है' तथा 'बहुभाषी शिक्षाः शिक्षा को बदलने की आवश्यकता' थी। इससे पहले 2022 की थीम 'बहुभाषी शिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोगः चुनौतियाँ और अवसर' थी, जबकि 2021 के मातृभाषा दिवस की थीम थी 'शिक्षा और समाज में समावेशन के लिए बहुभाषावाद को प्रोत्साहन'। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं के अंतरराष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया गया था। यूनेस्को द्वारा मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 17 नवम्बर 1999 को की गई थी और पहली बार वर्ष 2000 में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया गया था। सही मायनों में इस दिवस को मनाए जाने की शुरूआत अपनी मातृभाषा के लिए बांग्ला भाषा बोलने वालों के प्यार के कारण ही हुई थी। 21 फरवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का सुझाव कनाडा में रहने वाले बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम ने दिया था, जिन्होंने बांग्ला भाषा आन्दोलन के दौरान ढाका में 1952 में हुई नृशंस हत्याओं को स्मरण करने के लिए यह दिन प्रस्तावित किया था। भाषा के इस बड़े आन्दोलन में मारे गए युवाओं की स्मृति में ही यूनेस्को द्वारा वर्ष 1999 में निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष 21 फरवरी को दुनियाभर में मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। विश्वभर में इस दिन अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर भाषा तथा संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और शिक्षा तथा साहित्य से जुड़े लोग विभिन्न भाषाओं को लेकर चर्चा करने के साथ-साथ किसी भी भाषा को सरल व सुगम बनाने के लिए परामर्श भी देते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में बोली जाने वाली करीब सात हजार भाषाओं में से 90 प्रतिशत भाषाएं बोलने वाले लोग एक लाख से भी कम हैं। चिंता की बात यह है कि दुनियाभर में बोली जाने वाली सभी भाषाओं में से अब 40 प्रतिशत से अधिक भाषाएं लुप्तप्राय हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक केवल कुछ सौ भाषाओं को ही शिक्षा प्रणालियों और सार्वजनिक क्षेत्र में जगह मिली है और वैश्विक आबादी के करीब 40 प्रतिशत लोगों ने ऐसी भाषा में शिक्षा प्राप्त नहीं की, जिसे वे बोलते अथवा समझते हैं। डिजिटल दुनिया में तो वैश्विक स्तर पर सौ से भी कम भाषाओं का उपयोग किया जाता है। वैश्वीकरण के इस दौर में बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए विदेशी भाषा सीखने की होड़ मातृभाषाओं के लुप्त होने के पीछे एक प्रमुख कारण माना जाता है। लुप्त हो रही भाषाओं के संरक्षण के लिए भारत में 'लुप्तप्राय भाषाओं की सुरक्षा और संरक्षण' योजना भी चलाई जा रही है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग देश में उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने तथा 'लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में केन्द्र की स्थापना' योजना के तहत कई केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को सहयोग करता है। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषाओं के विकास पर काफी ध्यान दिया गया है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि जहां तक संभव हो, कम से कम पांचवीं कक्षा तक तो शिक्षा का माध्यम मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा ही होना चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार भी शिक्षा का माध्यम, जहां तक व्यावहारिक हो, बच्चे की मातृभाषा ही होनी चाहिए। दरअसल, प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने से यह छात्रों को उनकी पसंद के विषय तथा भाषा को सशक्त बनाने में मददगार साबित होगा और यह भारत में बहुभाषी समाज के निर्माण, नई भाषाओं को सीखने की क्षमता इत्यादि में भी मदद करेगा। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधा के लिए संविधान के अनुच्छेद 350ए में स्पष्ट है कि देश के प्रत्येक राज्य और स्थानीय प्राधिकारी का प्रयास होगा कि वह भाषायी अल्पसंख्यक समूहों के बच्चों को शिक्षा के प्राथमिक चरण में मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करें। बहरहाल, हालांकि आज भारत सहित कई बड़े देशों में भाषा को सरल एवं सुगम बनाने के लिए कई प्रकार की योजनाएं तैयार की जा रही हैं और छात्रों को विभिन्न भाषाओं की जानकारी मिल सके, इस उद्देश्य से कई विश्वविद्यालयों में भाषा को लेकर नए कोर्स भी तैयार किए जा रहे हैं लेकिन भाषाओं के संरक्षण के लिए गंभीर वैश्विक प्रयासों की सख्त आवश्यकता है।

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तार: एक सार्थक पुकार

ललित गर्ग

आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रूवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम ल्लसमावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटनाङ्ग हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है। मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है। समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। ल्लसंतुष्टिकरणङ्ग बनाम ल्लतुष्टिकरणङ्ग की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है। आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है। सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है। प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके। 2026 का यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके, तभी हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक न्याय के आदर्श को साकार किया है। इस तरह सामाजिक न्याय केवल नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि चेतना का प्रश्न है। यह हमारे विचारों, व्यवहार और निर्णयों में परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिक और शासन दोनों मिलकर समानता, गरिमा और अवसर की संस्कृति का निर्माण करेंगे, तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। समावेश को सशक्त बनाकर और असमानताओं की खाई को पाटकर ही हम एक ऐसे समाज की रचना कर सकते हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक स्थायी हो।

जिला अधिकारी ने स्वास्थ्य समिति की बैठक कर कार्यक्रम के प्रगति की समीक्षा की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को उदयन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रगति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने तथा नॉट रिपोर्टेड प्रसवों को चिन्हित कर ट्रैक करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही लाभार्थियों एवं आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान में शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने उच्च जोखिम गर्भावस्था (एच.आर.पी.) वाली महिलाओं की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि ऐसी महिलाओं की प्रतिदिन मॉनीटरिंग की जाए, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि जनजागरूकता बढ़ाने हेतु ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित किया जाय। डैशबोर्ड समीक्षा के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिराथू, कौशाम्बी एवं अर्बन क्षेत्र की रैंकिंग अपेक्षित स्तर पर न पाए जाने पर संबंधित प्रभारी चिकित्साधिकारियों को सुधारात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। आर.बी.एस.के. टीम को निर्देशित किया गया कि गर्भवती महिलाओं को आयरन एवं कैल्शियम की गोलियां नियमित रूप से लेने के लिए जागरूक किया जाय। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्ययोजना बनाकर आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, सी.एम.एस. डॉ. सुनील शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डी. एम. ने तहसील सिराथू का निरीक्षण कर फरियादियों की सुविधाओं पर ध्यान देने के लिए एस. डी. एम. को दिया निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने तहसील सिराथू का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने फरियादियों की सुविधाओं पर विशेष जोर देते हुए उप जिलाधिकारी योगेश कुमार गौड़ को निर्देश दिए कि तहसील परिसर में आने वाले फरियादियों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता तथा शौचालयों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाय। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी न्यायालय में अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव पर बल दिया तथा राजस्व मामलों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने तहसीलदार न्यायालय एवं नायब तहसीलदार न्यायालय का भी निरीक्षण कर लंबित राजस्व प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर दिया। अभिलेखागार के निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने रिकॉर्ड को व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित रखने तथा सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता बनाए रखने के निर्देश दिए। लेखपाल एवं अमीन की सर्विस बुक का अवलोकन करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अभिलेख अद्यतन रखे जाएं। जिलाधिकारी ने 10 लाख रुपये से अधिक के बकायेदारों की सूची एवं राजस्व वसूली की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर तहसीलदार को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शादी से लौट रहे बारातियों की स्कॉर्पियो व ट्रक में भीषण टक्कर छह घायल

कौशाम्बी। नेशनल हाईवे पर देर रात करीब 3 बजे तेज रफ्तार ट्रक और स्कॉर्पियो की आमने-सामने जोरदार टक्कर में स्कॉर्पियो सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस सभी घायलों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजी। घटना कोखराज थाना के ठीक सामने हाईवे पर बने कट के पास की है। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो सवार लोग एक निमंत्रण कार्यक्रम से लौट रहे थे। कोखराज थाना के सामने से भरवारी की ओर मुड़ते समय प्रयागराज की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से उनकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को वाहन से बाहर निकाला और एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा तथा क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया गया। दुर्घटना के कारण कुछ समय तक हाईवे पर लंबा जाम लगा रहा। घायलों की पहचान मुन्ना पुत्र दान सिंह, निवासी महमदपुर, राजू भारती पुत्र जगरूप, दीपू पुत्र बिहार, सूरज पुत्र मानसिंह, मुकेश पुत्र बनवारी लाल व गोविंद पुत्र लव कुश के रूप में हुई है।

कोटेदार की कालाबाजारी पर प्रशासन का सख्त प्रहार, खाद्यान्न घोटाले में मुकदमा दर्ज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिला पूर्ति अधिकारी कयामुद्दीन अंसारी एवं क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी खाद्य क्षेत्र द्वितीय ब्रजेन्द्र कुमार के कड़े निर्देशन में आपूर्ति विभाग लगातार सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने में जुटा हुआ है। इसी क्रम में पूर्ति निरीक्षक अतर्रा अजय शुक्ला द्वारा विकास खंड नरैनी की ग्राम पंचायत चंदौर स्थित उचित दर विक्रेता रामानुज गर्ग की दुकान पर औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें भारी अनियमितताओं का खुलासा होते ही विभाग ने सख्त कार्रवाई कर दी।

निरीक्षण के दौरान दुकान में उपलब्ध खाद्यान्न का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली का 47.299 कुंतल गेहूं, 70.781 कुंतल चावल तथा 0.93 कुंतल चीनी कम पाई गई। जब इस गंभीर कमी के संबंध में विक्रेता से अभिलेख व स्पष्टीकरण मांगा गया तो वह कोई संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं कर सका।जांच में स्पष्ट रूप से सामने आया कि विक्रेता द्वारा गरीबों के हिस्से का खाद्यान्न निजी स्वार्थ में दुरुपयोग एवं कालाबाजारी कर लिया गया था। इतना ही नहीं, खाद्यान्न वितरण व्यवस्था में भी गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जिससे पात्र लाभार्थियों के अधिकारों पर सीधा प्रहार हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी महोदया की अनुमति से पूर्ति निरीक्षक द्वारा बदौसा थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराया गया है। साथ ही दोषी उचित दर विक्रेता की दुकान के निलंबन एवं निरस्तीकरण की कार्रवाई भी अलग से शुरू कर दी गई है। विभाग ने साफ संदेश दिया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और सुचिता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गरीबों के हक पर डाका डालने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बांदा में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत 7 दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन किया गया। शिविर का आयोजन प्राचार्या प्रोफ़ेसर दीपाली गुप्ता के अध्यक्षता में कार्यक्रम अधिकारी डा. सबिहा रहमानी, डा. जयंती सिंह एवं डा. नीतू सिंह के दिशा निर्देशन में आयोजित किया गया । शिविर का उद्घाटन जिला प्रोबेशन अधिकारी श्रीमती मीनू सिंह के द्वारा किया गया। इस उत्सव पर विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर की गणमान्य लेखिका छाया सिंह और श्रीमती अंजू दमेले , डायरेक्टर श्रेया आकर्ष इंस्टीट्यूट उपस्थित रही। कार्यक्रम का उद्घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। यशी, प्रियांशी एवं आकांक्षा तथा अन्य छात्रों में स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। महाविद्यालय के छात्रों ने महिला सुरक्षा पर एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। छात्राओं को डॉक्टर सबिहा रहमानी द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में जानकारी दी गई , प्रोफ़ेसर जितेंद्र कुमार जी ने कहा के अनुशासन से रहते हुए ये कार्यक्रम सफल बनाए। इस कार्यक्रम को डॉक्टर माया वर्मा के द्वारा भी संबोधित किया गया उन्होंने छात्राओं को इस तरह के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ अतिरिक्त गतिविधियों और रचनात्मक क्रियाओं का समावेश हमारे व्यक्तित्व के विकास में अहम होता है इसी श्रृंखला में अंजू दमेले ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए साथ ही उन्होंने कन्या होने को गर्व की अनुभूति बताते हुए छात्रों को एक गीत भी सुनाया। इसी क्रम में प्रोफ़ेसर प्राचार्या दीपाली गुप्ता के द्वारा छात्राओं को अनुशासित रहकर 7 दिवसीय शिविर सकुशल संपन्न करने के लिए प्रेरित किया गया।

मरझा पुल के पास तेज रफ्तार बाइक की टक्कर, युवक गंभीर हालत में बांदा रेफर

जसपुरा/बांदा। थाना पैलानी क्षेत्र में शुक्रवार को मरझा पुल के पास तेज रफ्तार बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसपुरा में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए उसे जिला अस्पताल बांदा रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार अमित (28) पुत्र लल्लू निवासी भरूवा सुमेरपुर अपनी मोटरसाइकिल से शेखूपुर से वापस घर जा रहा था। वहीं दूसरी ओर रामप्रकाश पुत्र रघुवीर निवासी हरबंश पुरवा अपने साथी ब्रम्हानंद के साथ हरबंश पुरवा की ओर जा रहे थे। मरझा पुल के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक तेज रफ्तार में थी और चालक हेलमेट नहीं लगाए थे। दुर्घटना में अमित गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रशासन के लिए सिरदर्द बना हाथी खाने का अवैध बूचड़खाना

- परवेज के बूचड़ खाने से सड़कों में खुलेआम बहता है खून
- बीमार पशुओं की धड़ल्ले से होती है कटान
- पशुओं के अवशेषों से लगा रहता है गंदगी का अंबार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। शहर के हाथी खाना अलीगंज में स्थित कसाई मोहल्ले का अवैध बूचड़खाना प्रशासन के लिए लगातार सिरदर्द बनता जा रहा है। सबसे बुरा हाल परवेज नामक दबंग कसाई के घर में संचालित अवैध बूचड़खाने का है। अपने घर को साफ सुथरा रखने के लिए इस दंबग द्वारा खुलेआम सड़कों पर जानवरों को काटा जाता है। जिससे जानवरों का खून का और मांस के अवशेष सड़कों खुलेआम पड़े रहने स्थानीय लोगों सहित निकलने वालों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यदि किसी ने विरोध किया तो उक्त दबंग कसाई द्वारा उसको धमकाकर वहां से भगा दिया जाता है। इतना ही सुबह भोरकाल से लेकर दोपहर तक हाथी खाना में घरों पर चल रहे अवैध बूचड़खानों से सकरी गली में वाहनों इधर-उधर खड़ा होने से जाम की स्थिति में भी बनी रहती है। जिससे सुबह निकले वाले स्कूली बच्चों को काफी परेशानी होती है। यहां आपको बताते चलें कि बूचड़खानों के नजदीक ही में हीरा मॉडल स्कूल सहित आस-पास कई अन्य स्कूल संचालित है। जिससे वहां से निकलने वालों बच्चों को एक तो बदबू और गंदगी से परेशान होना पड़ता है। इसके अलावा बच्चों को स्कूल ले जानी वाले वाहन बूचड़खानों के बाहर खड़े वाहनों से जाम में फंसकर परेशान होते है। लोगों सरकार से मांग की है कि इस अवैध बूचड़खानों का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद कराया जाये। जानकारी के अनुसार शहर के अलीगंज मोहल्ले में हाथीखाना में परेवज सहित कई लोगों के द्वारा अवैध तरीके से घरों में मांस की बिक्री की जा रही है। बिना किसी डाक्टरी परीक्षण और बिना लाईसेंस के रोजाना कई कुन्तल मांस यहां से अवैध तरीके से शहर से लेकर अन्य जनपदों में सप्लाई किया जाता है। इस अवैध बूचड़खाने की खास बात यह है कि इससे जुड़े दुकानदारों के द्वारा मनमाने तरीके से बीमार पशुओं के बीना किसी जांच पड़ताल के सुबह 4 बजे से सड़कों में ही काट दिया जाता है।

सुबह वहां से गुजरने वाले लोगों के बूचड़खाना संचालकों की वजह से खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि रोड में पशु काटे जाने से पूरी सड़कों में खून बहता रहता है। इतना ही पशुओं के मासं के टुकड़ों को आवारा कुत्तों द्वारा इधर-उधर बिखरा भी दिया जाता है। जिससे लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यदि इस बात को लिए अवैध बूचड़खाना संचालकों से कहा जाता है तो वह लड़ने पर अमादा हो जाते हैं। सबसे ज्यादा बुरा हाल परवेज नामक व्यक्ति के संचालित बूचड़खाने का है। इलाकाई लोग बचाते हैं कि यह वयक्ति दबंगई के बल पर सड़क पर खुलेआम पशुओं को काटकर उनका खून सड़क पर ही बता देता है तथा जानवर के मांस के टुकड़े भी रोड पर ही छोड़ देता है। लोगों ने इस अवैध बूचड़खाने पर जांच कर कार्यवाही की मांग प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ही है।

पशु तस्करी से जुड़े है परवेज के तार

बांदा। सूत्रों की माने तो हाथीखाना के दबंग परवेज नाम कसाई के तार पशु तश्करी से सीधे जुड़े बताये जा रहे हैं। मोहल्ले के ही एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि परवेज अपने सभी भाईयों के साथ मिलकर पशुओं की तस्करी का काम करता है। पिछले कुछ समय पहले एक समाजसेवी की भैंस को इसके भाई के द्वारा चोरी करके जिले के बाहर सप्लाई कर दिया गया था। बाद में सीसीटीवी की मदद से मामले का खुलाशा हुआ था तो समाजसेवी ने संभ्रातं व्यक्तियों के कहने पर उनको माफ कर दिया। सूत्र यह भी बताते है कि शहर के जहां कहीं भी भैंस या पड़वे चोरी होते हैं उनको इसी व्यक्ति द्वारा चोरी करवाकर या तो अपने अवैध बूचड़खाने में कटवा दिया जाता है, या फिर अन्य जनपदों में महंगे दामों पर सप्लाई कर दिया जाता है। बहरहाल पुलिस के द्वारा यदि गहनता से जांच की जाये सारा मामला साफ हो जायेगा।

नाबालिग यौन शोषण के जघन्य मामले में ऐतिहासिक फैसला, दो दोषियों को फांसी

- कई धाराओं में उम्रकैद व कठोर कारावास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। लोक अभियोजक सौरभ सिंह ने बताया की नाबालिग बच्चों के साथ हुए संगठित यौन शोषण के एक अत्यंत गंभीर और जघन्य मामले में विशेष न्यायालय पास्को एक्ट बांदा ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए दो मुख्य दोषियों राम भवन और उसकी पत्नी दुर्गावती को मृत्युदंड की सजा दी है।

ब.ठ.प दिल्ली द्वारा अक्टूबर 2020 को रिपोर्ट दर्ज की गई जिसमें अभियुक्त राम भवन और उसकी पत्नी दुर्गावती को अभियुक्त बनाया ! अभियोजन की ओर से ब.ठ.प से विशेष अभियोजक धारा सिंह ने मुक़द्दमे की पैरवी की जिसमें बताया कि अभियुक्त थाना नरैनी का निवासी है और चित्रकूट में किराये के घर में रह कर करीब 33 नाबालिक बच्चों के यौन शोषण कर वीडियो बना कर विदेशों में भेजे गए जांच में पता चला कि इसने करीब 2 लाख से ज्यादा वीडियो बना कर भेजे ! मुक़द्दमे में कुल 74 गवाह अदालत में पेश किए गए ! अभियुक्तों को दोषी पाते हुए न्यायालय द्वारा दोनों को मृत्युदंड की सजा सुनाई और अपने फैसले में कहा कि दोषियों को ह्लतब तक फांसी पर लटकाया जाए, जब तक उनकी मृत्यु न हो जाए।ङ्क यह फैसला देश में नाबालिगों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर कड़ा संदेश माना जा रहा है।

अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपियों ने कई वर्षों तक नाबालिग बच्चों को बहला-फुसलाकर और धमकाकर उनका शारीरिक व मानसिक शोषण किया। पीड़ितों की उम्र 3 वर्ष से 18 वर्ष से कम के बीच बताई गई। मामले की जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने बच्चों के आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें बनाईं,जिन्हें देश से बाहर करीब 47 देशों में भेजा गया था! जिनका इस्तेमाल ब्लैकमेलिंग और अन्य आपराधिक गतिविधियों के लिए किया गया।

विशेष न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध), 506 (आपराधिक धमकी), 120ठ (आपराधिक साजिश), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67-बी तथा पॉक्सो अधिनियम, 2012 की कई गंभीर धाराओं के तहत दोषियों को दोषी ठहराया।

कोर्ट ने दोषियों को मृत्युदंड और आजीवन कारावास, कठोर कारावास और भारी जुर्माने की सजा सुनाई। कोर्ट ने अपने फैसले में सभी पीड़ित बच्चों को 10- 10 लाख रुपये देने का भी आदेश पारित किया है और सजा में किए गए जुर्माने को भी बच्चों को देने का आदेश पारित किया है और टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसे अपराध न केवल पीड़ित बच्चों के जीवन को बर्बाद करते हैं, बल्कि समाज की नैतिक नींव को भी हिला देते हैं। न्यायालय ने यह भी कहा कि यदि ऐसे मामलों में सख्ती नहीं बरती गई, तो यह समाज के लिए खतरनाक संदेश होगा।

अदालत ने पीड़ित बच्चों के पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक उपचार और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार और संबंधित विभागों को ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा कि पीड़ितों को उचित मुआवजा, काउंसलिंग और शिक्षा-संबंधी सहायता उपलब्ध कराई जाए यह फैसला न्यायाधीश श्री प्रदीप कुमार मिश्रा अपर सत्र न्यायाधीश द्वारा सुनाया गया ! यह भी बता दे न्यायाधीश श्री प्रदीप कुमार मिश्रा जी ने 6 महीने में ये तीसरा फैसला सुनाया है जिसमें दोनों अभियुक्तों को मृत्युदंड की सजा दी है इसके पहले 2 मामलों में भी मृत्युदंड की सजा सुनाई जा चुकी है।

एक दिवसीय कार्यशाला में मुर्गी पालकों को दी गई जानकारियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। अपर निदेशक द्वितीय पशुपालन विभाग, चित्रकूटधाम मण्डल, बाँदा के निर्देशन में उ0प्र0 कुक्कुट विकास नीति-2022 के सम्बन्ध में मण्डलीय कार्यालय सभागार, बाँदा में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनपद बाँदा के लगभग 40 मुर्गी पालकों/कुक्कुट पालकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला का मुख्य उददेश्य जनपद बाँदा में अण्डा उत्पादन में वृद्धि करना है उसी के संदर्भ में पशुपालन विभाग के निदेशालय/जनपद स्तर से कुक्कुट पालन में विशिष्ट जानकारी रखने वाले प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि वैज्ञानित तरीके से अण्डा देने वाली मुर्गियों का पालन कैसे किया जाये। आई0सी0एम0आर0 के अनुसार प्रत्येक मनुष्य को 01 वर्ष में लगभग 180 अण्डे की आवश्यकता होती है जब कि उ0प्र0 में प्रति व्यक्ति उपलब्धता मात्र 26 अण्डे है।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार और लापरवाही से मौत के मामले में एक साल की सजा

उन्नाव। ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के अंतर्गत उन्नाव पुलिस और अभियोजन की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप न्यायालय एसीजेएम-02 ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाकर महिला की मौत के मामले में एक अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए एक वर्ष के साधारण कारावास तथा दो हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत उन्नाव पुलिस द्वारा गुणवत्तापूर्ण विवेचना के साथ अभियोजन एवं मॉनिटरिंग सेल की प्रभावी पैरवी के क्रम में 20 फरवरी 2026 को न्यायालय एसीजेएम-02 द्वारा यह निर्णय दिया गया। अभियोजन के अनुसार, 6 जुलाई 2000 को अभियुक्त सुमेर सिंह पुत्र शिवमंगल निवासी मुगुलपुर थाना अचलगंज जनपद उन्नाव ने तेज और लापरवाही से ट्रक चलाते हुए टक्कर मार दी थी, जिससे वादी की पत्नी की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। इस संबंध में थाना अजगैन पर मुकदमा अपराध संख्या 142/2000 धारा 279, 338 और 304ए भादवि के तहत पंजीकृत किया गया था। मामले में 16 सितंबर 2000 को आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया था। न्यायालय द्वारा सुनवाई पूर्ण होने के बाद 20 फरवरी 2026 को अभियुक्त को दोषी पाते हुए एक वर्ष का साधारण कारावास और दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। मामले में अभियोजन पक्ष से सुश्री पल्लवी भारती, विवेचक उपनिरीक्षक राज किशोर, पैरोकार कांस्टेबल शेखर बालियान तथा कोर्ट मोहर्रिर कांस्टेबल अंकित कुमार का विशेष योगदान रहा।

21 फरवरी को सभी तहसीलों में लगेगा सम्पूर्ण समाधान दिवस, बीघापुर में होगा जिला स्तरीय आयोजन

उन्नाव। जनपद की सभी तहसीलों में 21 फरवरी 2026 को प्रातः 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस क्रम में जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील बीघापुर में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होगा, जिसमें समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जिला सूचना कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार तहसील सदर उन्नाव में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील सफीपुर में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), तहसील बांगरमऊ में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) तथा तहसील हसनगंज और पुरवा में संबंधित उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया जाएगा। यदि किसी भी जनपदवासी को किसी प्रकार की समस्या या शिकायत है तो वह संबंधित तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्या का निस्तारण करा सकता है।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने 3 मार्च को होली अवकाश घोषित करने की मांग रखी

बांदा। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंप कर 2 मार्च होलिका दहन के अगले दिन 3 मार्च को होली अवकाश घोषित करने की मांग की। जिलाध्यक्ष पंकज सिंह ने बताया कि जनपद बांदा में 2 मार्च होलिका दहन एवं 4 मार्च को होली का अवकाश है। जिलाधिकारी महोदया द्वारा 5 मार्च को होली का स्थानीय अवकाश भी घोषित किया गया है। बीच में 3 मार्च को अवकाश नहीं है। जब कि जनपद में होलिका दहन के उपरांत अगले दो दिनों तक पूरे जनपद में होली खेली जाती है। समूचा जनपद होलीमय हो जाता है। साथ ही यातायात साधन आदि भी बंद रहते हैं। ऐसी स्थिति में 3 मार्च को विद्यालय/ कार्यालय खोले जाने पर शिक्षकों सहित बच्चों को अत्यंत असुविधा हो सकती है। यातायात के साधन बंद होने और जगह जगह रंग गुलाल के कारण विद्यालयों तक पहुंचने और खोले रहने में समस्या हो सकती है क्यों कि होली आदि के माहौल में कई अराजकतत्वों द्वारा अशांति फैलाने का कार्य भी किया जाता है।

आरटीसी प्रशिक्षण ले रहे रिक्रूट आरक्षियों को अधिकारियों ने दिए परीक्षा संबंधी निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। रिजर्व पुलिस लाइन उन्नाव में आरटीसी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों को आगामी इनडोर एवं आउटडोर परीक्षाओं के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह तथा क्षेत्राधिकारी नगर/लाइन विनी सिंह ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, अनुशासन, शारीरिक दक्षता और लिखित परीक्षा की तैयारी पर विशेष बल दिया।

- इनडोर-आउटडोर तैयारी, अनुशासन और शारीरिक दक्षता पर दिया गया विशेष जोर

अधिकारियों ने रिक्रूट आरक्षियों को ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और टीम भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही परीक्षा के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी गई।

निराला प्रेक्षागृह में वृहद ऋण वितरण शिविर का शुभारंभ

153 लाभार्थियों को 101 करोड़ का ऋण स्वीकृत

- मुख्य विकास अधिकारी ने प्रमाणपत्र वितरित कर आत्मनिर्भर बनने का दिया संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद की सभी बैंकों की सहभागिता से निराला प्रेक्षागृह में वृहद ऋण वितरण शिविर (मेला) एवं ग्राहक जनसंपर्क अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज ने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

शिविर में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान समेत विभिन्न ऋण योजनाओं के अंतर्गत कुल 153 लाभार्थियों को 101 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार लोगों को आत्मनिर्भर और वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी एवं ऋण योजनाएं संचालित कर रही हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से चार वर्ष तक ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे लाभार्थी लघु उद्योग स्थापित कर अपने जीवन स्तर को बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने लाभार्थियों से ऋण राशि का उपयोग निर्धारित कार्य में करने और समय पर भुगतान करने का अनुरोध किया।

कार्यक्रम के आयोजक अग्रणी जिला प्रबंधक आर.के. गौतम ने बताया कि शिविर का उद्देश्य ऋण वितरण के साथ अधिक से अधिक लोगों को बैंकिंग योजनाओं से जोड़ना और वित्तीय साक्षरता बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, माटीकला, एक जनपद एक उत्पाद सहित विभिन्न योजनाओं के 150 से अधिक लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर जिले की सभी बैंकों के जिला समन्वयकों के साथ बैंक ऑफ इंडिया (आरसेटी) और क्रिसिल फाउंडेशन द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्य विकास अधिकारी ने स्टॉलों का निरीक्षण कर लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला सहकारी बैंक द्वारा मोबाइल एटीएम के माध्यम से लोगों को एटीएम संचालन का प्रशिक्षण भी दिया गया।

कार्यक्रम में बैंक ऑफ इंडिया के उप आंचलिक प्रबंधक जुगल किशोर, डीडीएम नाबार्ड सुमित कुमार, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के उप क्षेत्रीय प्रबंधक पंकज कुमार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया उन्नाव के मुख्य प्रबंधक गौरव सिंह, जिला सहकारी बैंक के उप महाप्रबंधक पुनीत चौधरी, उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र, वित्तीय सलाहकार बीएन शुक्ला, वरिष्ठ सहायक राजेंद्र मिश्रा सहित क्रिसिल फाउंडेशन की टीम, समूह सखी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

गोला में दिनदहाड़े फायरिंग, युवक गंभीर रूप से घायल, लखनऊ रेफर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कोतवाली गोला क्षेत्र के नई बाईपास रोड स्थित अंधेरी बाग के पास शुक्रवार दोपहर दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। पैसों के लेन-देन को लेकर शुरू हुआ विवाद अचानक हिंसक झड़प में बदल गया, जिसमें बीच-बचाव करने आए लईक नामक युवक को गोली लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो युवक काशीराम कॉलोनी में एक व्यक्ति को दौड़ाते हुए पहुंचे थे। कॉलोनी के कुछ लोगों ने, जिनमें लईक भी शामिल था, हमलावरों को पकड़ने का प्रयास किया। पीछा करते-करते सभी नई बाईपास स्थित अंधेरी बाग तक पहुंच गए। इसी दौरान हमलावरों ने तमंचे से फायर कर दिया। गोली लईक के सीने में बाईं ओर नीचे की तरफ जा लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सीओ गोला रमेश तिवारी व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर हालात को काबू में लिया। घायल युवक को तत्काल सीएचसी गोला ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहां से बेहतर इलाज के लिए उसे लखनऊ भेज दिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि प्रशांत कमल पुत्र दिनेश कुमार और प्रशांत वर्मा पुत्र सर्वेश कुमार, निवासी ग्राम हेमपुर थाना हैदराबाद, का संगम (निवासी बिजुआ, वर्तमान पता काशीराम कॉलोनी) से करीब एक लाख रुपये का लेन-देन था। बताया गया कि 47 हजार रुपये ऑनलाइन दिए जा चुके थे, जबकि 53 हजार रुपये बकाया थे। इसी रकम को लेकर विवाद बढ़कर फायरिंग तक पहुंच गया।

घटना के तुरंत बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को तमंचे सहित हिरासत में ले लिया। प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह ने बताया कि दो लोगों के विरुद्ध धारा 109 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है, हालांकि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपियों की गिरफ्तारी होने से लोगों ने राहत की सांस ली है।

हैदराबाद पुलिस ने शान्तिभंग के चार आरोपियों को किया गिरफ्तार, न्यायालय भेजा

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना हैदराबाद पुलिस ने शान्ति व्यवस्था भंग करने के आरोप में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष सुनील मलिक के निर्देशन में की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में नजमुल पुत्र जमीउल्ला खां (उम्र 50 वर्ष) तथा अब्दुल सकुल पुत्र जमीउल्ला खां (उम्र लगभग 55 वर्ष), निवासी ग्राम गनेशपुर, थाना हैदराबाद, जनपद खीरी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रवेश कुमार पुत्र सुरेश (उम्र लगभग 23 वर्ष) एवं सुरेश पुत्र जगदीश प्रसाद (उम्र लगभग 55 वर्ष), निवासी ग्राम नगरासलेमपुर, थाना हैदराबाद, जनपद खीरी को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी अभियुक्तों के विरुद्ध बीएनएसएस की धारा 170/126/135 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए उन्हें विधिक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय गोला के समक्ष भेज दिया है गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक हेमन्त कटियार, आरक्षी प्रेमशंकर तथा आरक्षी आकाश यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को कथित धमकी, ब्राह्मण समाज में आक्रोश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जनपद में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण तिवारी के विरुद्ध सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक एवं धमकी भरे संदेश प्रसारित होने से मामला तूल पकड़ता जा रहा है।

प्रकरण को लेकर ब्राह्मण परिवार सेवा समिति ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर दोषी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। समिति के अनुसार, भारतीय दलित पैंथर के जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ गौतम द्वारा ब्लजूता आंदोलनङ्क शीर्षक से सोशल मीडिया पर एक संदेश प्रसारित किया गया, जिसमें जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के विरुद्ध अमर्यादित भाषा का प्रयोग किए जाने और उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित करने तथा जिले से बाहर करने जैसी बात कही गई है।

समिति पदाधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार की भाषा और कथित धमकी से समाज में वैमनस्य फैल सकता है तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है। उन्होंने इसे सामाजिक सौहार्द के लिए गंभीर विषय बताते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। फिलहाल प्रशासन की ओर से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही जा रही है। वहीं, सोशल मीडिया पर भी इस प्रकरण को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

शारदा मॉड्यूल प्रशिक्षण का दूसरा बैच संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- प्रतियोगिता में विनय शुक्ला प्रथम, नसीम अंसारी द्वितीय व सुशील शर्मा तृतीय रहे

गोला गोकर्णनाथ खीरी। विकास खंड बांकेगंज के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षकों के लिए शारदा मॉड्यूल आधारित तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा बैच शुक्रवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) राकेश कुमार के निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालय छोड़ चुके (ड्रॉपआउट) बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षकों को व्यवहारिक एवं प्रभावी रणनीतियों से सशक्त करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा शिक्षकों को शारदा मॉड्यूल की बारीकियों से अवगत कराया गया। सत्रों में बच्चों के स्कूल छोड़ने के प्रमुख कारणों की पहचान, उन्हें पुनः नामांकित कराने की कार्ययोजना, अभिभावकों से संवाद की रणनीति तथा विशेष परिस्थितियों वाले बच्चों के लिए सरल एवं प्रभावी शिक्षण पद्धतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षकों ने उदाहरणों और समूह गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। समापन सत्र में प्रतिभागी शिक्षकों की समझ और प्रस्तुतीकरण कौशल का आकलन करने के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में विनय शुक्ला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि नसीम अंसारी द्वितीय और सुशील शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों की सराहना की गई। प्रशिक्षण शिविर में मास्टर ट्रेनर्स कपिल कुमार त्यागी, बच्चू लाल, राजकुमार, ध्रुव कुमार मिश्रा एवं अर्चना दीक्षित ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समापन अवसर पर बीईओ राकेश कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण का वास्तविक उद्देश्य तभी सार्थक होगा जब शिक्षक अपने-अपने विद्यालय क्षेत्रों में ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान कर उन्हें विद्यालय से जोड़ने का ठोस प्रयास करेंगे। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को व्यवहार में उतारकर प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाएं। इस अवसर पर संजय गौतम, आशुतोष गिरी, सुभाष सक्सेना, प्रदीप कुमार, सर्वेश कुमार, वीरेंद्र कुमार, रामू भारती, अशोक कुमार, अरविंद मिश्रा, कृष्ण कुमार, हारून उश्मानी, मनोज दुबे, पंकज गुप्ता, विपिन बालियान सहित बड़ी संख्या में शिक्षक,शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

रमजान के पहले जुम्मे पर जामा मस्जिद में उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़, अमन-चैन की मांगी दुआ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सिंगाही खीरी। रमजान-उल-मुबारक के पहले जुम्मे की नमाज कस्बे की जामा मस्जिद में अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। नमाज के लिए सैकड़ों नमाजी मस्जिद पहुंचे, जिससे विशाल इमारत भी छोटी नजर आई। नमाज के दौरान इबादत के लिए सैकड़ों हाथ खुदा की बारगाह में उठे और मुल्क की खुशहाली, बेहतर बारिश, अमन-चैन, आपसी भाईचारे व तरक्की की दुआ मांगी गई। नमाजियों ने अपने गुनाहों की माफी भी तलब की। पहले शुक्रवार को मस्जिदों में भारी तादाद में रोजेदारों ने शिरकत की। बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। कस्बे की जामा मस्जिद में दोपहर 12 बजे से ही नमाजियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। नमाज का वक्त होते-होते मस्जिद का अंदरूनी हिस्सा और आंगन खचाखच भर गया।

नमाज से पहले खिताब करते हुए पेश इमाम मौलाना शोयब साहिल ने कहा कि रमजान सब्र, शुक्र और गमगुसारी का महीना है। हर मोमिन को चाहिए कि वह अपनी गाढ़ी कमाई का कुछ हिस्सा गरीबों, मोहताजों, बेवाओं और यतीमों में बांटे। इसके बाद खुत्बा पढ़ा गया और दो रकात नमाज अदा की गई। अंत में सभी ने हाथ उठाकर मुल्क में अमनो-अमान और कौम की तरक्की की दुआ मांगी।

सदका-ए-फित्र पर दी गई जानकारी

मौलाना मोहम्मद उमर ने बताया कि हर आकिल, बालिग और साहिब-ए-निसाब मुसलमान पर अपनी तथा अपने नाबालिग बच्चों की ओर से सदका-ए-फित्र वाजिब है। इसके हकदार फकीर और मिस्कीन होते हैं। मुफ्ती मोहम्मद राशिद ने बताया कि सदका-ए-फित्र ईद के दिन ईदगाह जाने से पहले जरूरतमंदों में तकसीम कर देना चाहिए। हालांकि, रमजान के महीने में पहले भी इसे अदा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सदका-ए-फित्र की मात्रा प्रति व्यक्ति लगभग दो किलो 45 ग्राम गेहूं या उसकी कीमत के बराबर है। यह रोजे की पाकीजगी का जरिया है और गरीबों की मदद का माध्यम भी।

संक्षिप्त समाचार

प्रिंट रेट से भी महंगे दामों में बेचा जा रहा पान मसाला

बांदा। जनपद में गुटखा और पान मसाला की बिक्री अब ल्लप्रिंट रेटङ्क नहीं, बल्कि ल्लमनमर्जी रेटङ्क पर होती दिख रही है। 140 रुपये अंकित मूल्य वाला पैक 200 से 220 रुपये तक में बेचे जाने की शिकायतें आम हो चुकी हैं। सवाल यह है कि आखिर यह खुली लूट किसके संरक्षण में चल रही है? जिम्मेदार अधिकारी भी पान मसाला के महंगे दामों पर चुप्पी साधे हुए हैं जनपद ही नहीं अगल-बगल के जनपदों के कोने-कोने में पान मसाला के दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी को लेकर आक्रोश स्थानीय उपभोक्ताओं का आरोप है कि बड़े व्यापारी भारी मात्रा में स्टॉक उठाकर बाजार में कृत्रिम कमी का माहौल बना रहे हैं और फिर ऊंचे दामों पर माल खपा रहे हैं। छोटे दुकानदार भी मजबूरी या लालच में उसी रेट पर बिक्री कर रहे हैं।

बाजार में जीएसटी बढ़ने और कर वृद्धि की अफवाहें उछाली जा रही हैं, परंतु आधिकारिक पुष्टि कहीं नजर नहीं आती। अगर कर नहीं बढ़ा, तो दाम क्यों बढ़े? और अगर बढ़ा है, तो आदेश कहां है?सबसे बड़ा सवाल प्रशासनिक चुप्पी पर है। जब प्रिंट रेट से अधिक वसूली उपभोक्ता संरक्षण नियमों का उल्लंघन मानी जाती है, तो कार्रवाई क्यों नहीं? क्या निरीक्षण केवल कागजों में हो रहे हैं?जनपद ही नहीं, आसपास के क्षेत्रों में भी यही हाल है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि जल्द जांच नहीं हुई तो यह 'मुनाफाखोरी मॉडल' स्थायी रूप ले सकता है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग जागेगा या बाजार यूं ही जेब काटता रहेगा।

स्टार्टर चोरी करने वाले अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा श्री पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में आज थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा स्टार्टर चोरी करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है । गौरतलब हो कि थाना कोतवाली देहात क्षेत्र केरहने वाले दीपक सिंह द्वारा थाना कोतवाली देहात पर सूचना दी कि 17/18 फरवरी 26 की देर रात्रि को अज्ञात चोर द्वारा खेत से उनका स्टार्टर चोरी कर ले गए । सूचना पर तत्काल थाना कोतवाली देहात पर अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्तों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे थे । इसी क्रम में आज थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा गश्त एवं चेकिंग के दौरान अभियुक्त को ग्राम पचनेही नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया । पुलिस द्वारा पकड़े गये अभियुक्त से कड़ाई से पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया । अभियुक्त के कब्जे से अवैध तमंचा व कारतूस सहित चोरी का स्टार्टर बरामद हुआ । गिरफ्तार अभियुक्त का नाम अनिल पुत्र झंडू निवासी तिंदवारी रोड ज्योति नगर थाना कोतवाली नगर बांदा है।

बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में एथलेटिक मीट 'उमंग' का भव्य शुभारंभ

बांदा। बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में द्वि-दिवसीय वार्षिक एथलेटिक मीट 'उमंग' का भव्य शुभारंभ 20 फरवरी 2026 को हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डा.) एस. वी. एस. राजू द्वारा मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। कुलपति प्रो. राजू ने अपने उद्बोधन में सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए खेलों के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने खिलाड़ियों को पूर्ण शुचिता और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एस. के. सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. अजीत सिंह ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। एथलेटिक मीट के संयोजक डा. अभिषेक यादव ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन अवसर पर आयोजित मार्च पास्ट प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के छह महाविद्यालयकृकृषि, उद्यान, वानिकी, सामुदायिक विज्ञान, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग और फूड टेक्नोलॉजीकृकी टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

काली स्प्लेंडर' के लिए टावर पर चढ़ा युवक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मोहम्मदी खीरी। थाना मोहम्मदी क्षेत्र के मूड़ा निजाम चौकी अंतर्गत ग्राम पड़सर में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब 25 वर्षीय युवक अपनी जिद के चलते ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक की मांग किसी विवाद या शिकायत को लेकर नहीं, बल्कि 'काले रंग की नई स्प्लेंडर बाइक' को लेकर थी। घंटों चले इस हाई-वोल्टेज ड्रामे ने पुलिस और प्रशासन के पसीने छुड़ा दिए। सैलरी पूछी, रखी बाइक की शर्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी सुचित कुमार (25) पुत्र गोपी परिजनों से नाराज होकर अचानक टावर के शिखर पर जा बैठा। नीचे जुटी भीड़ और पुलिस टीम जब उसे समझाने लगी, तो उसने पुलिसकर्मियों से उनकी सैलरी पूछनी शुरू कर दी। इसके बाद उसने साफ कहा कि यदि उसे तत्काल काले रंग की नई स्प्लेंडर बाइक नहीं दिलाई गई, तो वह टावर से कूद जाएगा। युवक की इस चेतावनी से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पहले भी कर चुका है ऐसी हरकत पुलिस जांच में सामने आया कि सुचित इससे पहले भी 11 फरवरी 2026 की रात मोबाइल टावर पर चढ़ चुका है। उस समय भी काफी मशक्कत के बाद उसे रात करीब 12 बजे नीचे उतारा गया था। शुक्रवार को वह दोबारा मोबाइल फोन लेकर टावर पर चढ़ गया और ऊपर से लगातार बाइक की मांग करता रहा।

पुलिस की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने परिजनों के सहयोग से मौके पर काले रंग की बाइक मंगवाई। बाइक को सामने देख और अधिकारियों के समझाने-बुझाने पर युवक धीरे-धीरे नीचे उतर आया। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। थाना मोहम्मदी पुलिस के अनुसार, युवक द्वारा बार-बार इस प्रकार टावर पर चढ़कर अनुचित मांग करना न केवल उसकी जान के लिए खतरा था।

सातवीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

गुरु-भक्ति का अनुपम संगम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। श्रीमती चंद्रकला आश्रम, संस्कृत विद्यापीठ के संस्थापक, अध्यात्म मार्तण्ड, तपोनिष्ठ, परम पूज्य प्रातःस्मरणीय नित्य लीला लीन शाक्त कुल भूषण अनंत श्री विभूषित ब्रह्मऋषि भवानी प्रसाद उपाध्याय ल्लनेपाली बाबाङ्क की सप्तम पुण्यतिथि श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आश्रम परिसर में गुरु-भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला।

पुण्यतिथि कार्यक्रम में पूज्य गुरुदेव के परम कृपापात्र एवं वात्सल्यमयी शिष्य पूज्य महंत प्रमोद महाराज ने अनन्य निष्ठा के साथ सद्गुरुदेव का षोडशोपचार पूजन-अर्चन एवं हवन संपन्न कराया। वैदिक मंत्रोच्चार की मंगल ध्वनियों के बीच गुरुदेव की चरण-पादुकाओं का पूजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वातावरण भक्तिमय हो उठा और उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। इस अवसर पर विद्यापीठ में अध्ययनरत वेदपाठी बटुक ब्रह्मचारियों तथा समाज से आए धर्मानुरागी महानुभावों को ससम्मान भोजन प्रसाद ग्रहण कराया गया। महंत प्रमोद महाराज ने स्वयं अपनी देखरेख में बटुकों को प्रसाद परोसा तथा अंत में उन्हें मंगलमयी दक्षिणा और आशीर्वाद प्रदान किया। यह दृश्य गुरु-शिष्य परंपरा की उस अटूट कड़ी का सजीव प्रतीक था, जिसकी नींव पूज्य नेपाली बाबा ने रखी थी। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि सद्गुरुदेव का शरीर भले ही शांत हो गया हो, किंतु उनकी चेतना, संस्कार और शिक्षाएं शिष्यों के कर्मों में सदैव जीवित हैं। आश्रम परिवार एवं समस्त शिष्य समुदाय ने पूज्य बाबा के श्रीचरणों में साष्टांग दंडवत प्रणाम कर उनके आदर्शों पर चलने और उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लिया।

सेंट्रल बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ

गोला गोकर्णनाथ खीरी। सेंट्रल बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को ग्राम न्यायालय के न्यायाधिकारी अरुण कुमार सिंह ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह बार सभागार में सम्मानित अधिवक्ताओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष विजय कुमार शुक्ला 'रिंकू' ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सब-रजिस्ट्रार रॉबिन वर्मा मौजूद रहे। ज्ञात हो कि वर्ष 2026 में सम्पन्न हुए चुनाव में अध्यक्ष पद पर रामकुमार गौतम, मंत्री पद पर संदीप कुमार अवस्थी, उपाध्यक्ष पद पर राजीव मिश्रा, संयुक्त मंत्री पद पर जगबीर सिंह भदौरिया तथा कोषाध्यक्ष पद पर वीरेंद्र कुमार निर्वाचित हुए थे। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने विधिवत शपथ लेकर संगठन के प्रति निष्ठा और अधिवक्ताओं के हित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नरेश सिंह तोमर, विमल कुमार श्रीवास्तव, सुरेश चंद गुप्ता, राकेश कुमार वर्मा, लाल बहादुर यादव, रजनीश सिंह, सविता बाजपेई, कुसमा, संत कुमार भारती, जितेंद्र पांडे, रामू, राजेश गिरी (नोटरी), नीलकमल गुप्ता, पंकज वर्मा, ओम प्रकाश, महेंद्र शुक्ला, संजय मिश्रा सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे। निर्वाचन समिति में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में लाल बिहारी वर्मा तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी आदर्श वर्मा, सत्यपाल मित्रा और विजेंद्र यादव मौजूद रहे।

फर्जी खातेदारों के नाम निरस्त करने की मांग, एसडीएम धौरहरा से शिकायत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। रमिया बेहड़ ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम रामनगर बगहा में राजस्व अभिलेखों में कथित हेराफ़ेरी कर तालाब, चकमार्ग, घूरा, मरघट, चारागाह, खलिहान, बंजर व नवीन परती भूमि को फर्जी तरीके से निजी नामों पर दर्ज कराने का मामला सामने आया है। करीब एक दर्जन वास्तविक कृषि भूमि स्वामियों ने जनसुनवाई पोर्टल, मुख्यमंत्री तथा एसडीएम धौरहरा को शिकायती पत्र देकर जांच और कार्रवाई की मांग की है।

किसानों का आरोप है कि तत्कालीन लेखपाल से मिलकर पुरानी खतौनी में कूटरचित ढंग से बदलाव कर राजस्व भूमि को निजी खातों में दर्ज करा लिया गया। कुछ मामलों में कथित रूप से फर्जी खतौनी के आधार पर बैनामा कराकर दाखिल-खारिज भी करा ली गई। ग्रामीणों के अनुसार गांव में हाल के दिनों में लग्जरी गाड़ियों की आवाजाही बढ़ी है, जिससे जमीन की संभावित खरीद-फरोख्त को लेकर किसानों में बेचैनी है। शिकायत में ताज मोहम्मद, कपिल शुक्ला, गब्बर सिंह, नय्यूम, सायरा, हसीना सहित अन्य किसानों ने भूमि की बिक्री पर रोक लगाने, सीमांकन कराने और जालसाजी में शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थनापत्र में गाटा संख्या 1792, 1719, 1913 (नवीन परती), 702 (तालाब), 1583 (सीलिंग भूमि), 1804, 1926 (बंजर), 1225 (चकमार्ग) तथा 1445, 782, 1480, 1401, 1407 आदि का उल्लेख करते हुए वर्तमान खतौनी में दर्ज नामों की जांच की मांग की गई है। आरोप है कि रहमत, जुगल, ईश्वर देवी, कंधई, उपदेश, कमला देवी, हरिवंश, कुंती देवी, विद्यासागर, सर्वेश, राम बेटी, विनीता देवी, अवध बिहारी, मुक्ता प्रसाद, विद्या, सोनू वर्मा सहित अन्य के नाम फर्जी रूप से दर्ज कराए गए हैं।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

उपजिलाधिकारी धौरहरा शशिकांत मणि ने बताया कि मामला गंभीर है। यदि खतौनी में फर्जीवाड़ा पाया जाता है तो जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि शासन स्तर पर यदि किसी कंपनी द्वारा नवीन परती या वन विभाग की भूमि के संबंध में प्रक्रिया चल रही है, तो नियमानुसार वैकल्पिक भूमि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाती है फिलहाल प्रशासन द्वारा शिकायतों की जांच की प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने की बात कही जा रही है।

70 प्लस वरिष्ठ नागरिकों से आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनवाने की अपील

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। शासन के निर्देशानुसार आईटीआई राजापुर में 22 फरवरी (रविवार) को प्रातः 10 बजे से वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में स्वास्थ्य विभाग सक्रिय भागीदारी करते हुए पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता ने जनपदवासियों से अपील की है कि जिन नागरिकों की आयु 70 वर्ष या उससे अधिक है अथवा जिनके परिवार में कोई वरिष्ठ नागरिक इस आयु वर्ग में आता है, वे अनिवार्य रूप से शिविर में पहुंचकर अपना आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनवाएं। उन्होंने बताया कि कार्ड बनवाने के लिए केवल आधार कार्ड साथ लाना आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर उपस्थित रहकर पंजीकरण एवं कार्ड निर्माण की पूरी प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करेगी। सीएमओ ने यह भी बताया कि शिविर में स्वास्थ्य विभाग की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जहां आम नागरिक योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और लाभ लेने की प्रक्रिया समझ सकेंगे। उल्लेखनीय है कि आयुष्मान भारत आयोजन के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाता है। योजना के तहत देशभर के सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा मिलती है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं विनय यादव मेरी मार्कशीट वर्ष 2014-2015 रोल नंबर - 1403213121 कोर्स- बी.टेक (सूचना प्रौद्योगिकी) जारीकर्ता प्राधिकारी- डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ वास्तव में खो गई है।

पता- 1/73 विराट खण्ड गोमतीनगर लखनऊ।
कॉलेज - ए.बी.ई.एस इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों का लक्ष्य सुपर आठ मैच में पाकिस्तान के स्पिनरों को काबू में करना

एजेंसी

कोलंबो। न्यूजीलैंड की टीम शनिवार को यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण ग्रुप दो के शुरुआती मैच में पाकिस्तान का सामना करेगी तो जीत के लिए सबसे अहम कारक होगा कि उसका मजबूत मध्यक्रम प्रतिद्वंद्वी टीम की स्पिन विविधता का माकूल जवाब दे सके।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज आईसीसी के इस बड़े टूर्नामेंट में अभी तक शीर्ष स्तर का खेल नहीं दिखा सके हैं जिसमें बस सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट और फिन एलेन ही हैं जिन्होंने मिलकर तीन अर्धशतक लगाए हैं। लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज इन दोनों का ठीक से साथ नहीं दे पाए हैं। ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन और डेरिल मिचेल जैसे बल्लेबाज निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। फिलिप्स और रविंद्र ने हालांकि एक-एक अर्धशतक लगाया है लेकिन कुल मिलाकर उनका प्रदर्शन फीका ही रहा है। चार मैचों में रविंद्र ने 72 रन बनाए हैं, लेकिन इनमें से 59 रन कनाडा के खिलाफ एक ही मैच में आए। न्यूजीलैंड इस टूर्नामेंट में पहली बार कोलंबो में खेलेगा जिससे यह और मुश्किल हो सकता है। इसके विपरीत पाकिस्तान ने विश्व कप की शुरुआत से ही यहां की है और वह पहले प्रेमदासा में दो मैच खेल चुका है। पाकिस्तान के गेंदबाज, खासकर स्पिनर इस धीमी पिच पर असरदार होने के लिए लेंथ और रफ्तार जानते हैं जहां शॉट लगाने के लिए हिम्मत से ज्यादा समझदारी की जरूरत होती है। इसलिए एलेन और सिफर्ट की पावरप्ले की धमाकेदार बल्लेबाजी में न्यूजीलैंड के मध्यक्रम का साथ चाहिए ताकि वे अपनी टीम को लगभग 180 या इससे ज्यादा के स्कोर तक पहुंचा सकें। पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, सैम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान उसे बढ़त दिलाते हैं लेकिन बल्लेबाजी में उनकी भी अपनी चिंता हैं। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले साहिबजादा फरहान (220) के बाद शादाब खान (88) दूसरे नंबर पर हैं। पाकिस्तान के बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड जैसी अनुभवी टीम के खिलाफ मिलकर बड़ा योगदान देना होगा। लेकिन पाकिस्तान प्रबंधन को बाबर आजम (चार मैचों में 66 रन) से ज्यादा चिंता किसी और बात की नहीं है क्योंकि यह पूर्व कप्तान टी20 बल्लेबाजों की जरूरतों को समझने में जूझ रहा है। अगर बाबर एक बार और लड़खड़ाते हैं तो पाकिस्तान प्रबंधन फखर जमां जैसे किसी और खिलाड़ी को ला सकता है जो ग्रुप चरण के मैच में बेंच पर ही बैठे रहे। टीम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को शामिल करने पर भी सोचेंगे जिन्हें नामीबिया के खिलाफ जरूरी मैच के लिए बाहर कर दिया गया था।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मारक्रम या लिंडे करेंगे अभिषेक के खिलाफ गेंदबाजी की शुरूआत

अहमदाबाद। टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार तीन बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए लेकिन भारत का अभियान बिना रूके पटरी पर चल रहा है लेकिन इस खिलाड़ी का बल्ले का नहीं चलना चर्चा का विषय बना हुआ है। इसका कारण या तो पेट के संक्रमण से उनका कमजोर होना है या फिर धीमे विकेट पर स्पिनरों के खिलाफ तकनीकी कमजोरी का उभरना है। लेकिन जिन्होंने इस प्रारूप और इस खिलाड़ी को करीब से देखा है उनका कहना है कि ''फॉर्म अस्थायी है, उसका आत्मविश्वास स्थायी'' है। अभिषेक का स्ट्राइक रेट 192 से ज्यादा का है लेकिन अचानक उनकी फॉर्म खराब हो गई जिसका मुख्य कारण पेट के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी हो सकती है। फिर धीमी पिचों ने भी उनकी मदद नहीं की है। अब तक टीम के एकजुट प्रयास ने पक्का किया है कि नतीजों पर कोई असर नहीं पड़े। लेकिन शनिवार से सुपर आठ चरण शुरु होने वाला है इसलिए यह जरूरी होगा कि उनका बल्ला चले। भारत सुपर आठ चरण के पहले मैच में 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। और उनके पिछले आउट होने के तरीके को ध्यान से देखने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम पावरप्ले के अंदर दोनों छोर से कागिसो रबाडा या लुंगी एनगिडी को गेंदबाजी कराने के बजाय खुद ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने के बारे में सोच सकते हैं या फिर जॉर्ज लिंडे से गेंदबाजी करने को कह सकते हैं। सबसे छोटे प्रारूप में गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है। अभिषेक का टी20 विश्व कप में अपना खाता नहीं खोल पाना चिंता की बात नहीं है। हो सकता है वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ या फिर इसके बाद चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ और कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में लय हासिल कर लें। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी के एक मशहूर बल्लेबाजी कोच ने लीग के दौरान अभिषेक के खिलाफ योजना बनाई और उनकी बल्लेबाजी का विश्लेषण किया। उनसे जब पूछा गया कि क्या टीमों ने आखिरकार अभिषेक की बल्लेबाजी को समझ लिया है तो उनका जवाब 'नहीं' था। उन्होंने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, ''बिलकुल नहीं। पहले मैच में डीप एक्स्ट्रा कवर पर वह खराब गेंद पर कैच हुए थे जो छह रन के लिए जा सकती थी। या फील्डर के बाएं या दाएं एक पैर से बाहर जाकर चौके के लिए जा सकती थी। अभिषेक के तीनों मैच में आउट होने के तरीके पर उन्होंने आगे कहा, ''ऑफ-स्पिनर की अंदर आती गेंद पर बोल्ड होना, ना कि बाहर जाती हुई गेंद पर, इससे ज्यादा कुछ पता नहीं चलता। और मिड-ऑन पर कैच होना।

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट ने टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद भावुक विदाई ली

एजेंसी

चेन्नई। अफगानिस्तान की टीम के साथ बनाई गई यादों से संतुष्ट लेकिन भावनाओं से अभिभूत कोच जोनाथन ट्रॉट ने चार साल के कार्यकाल के बाद अपनी भूमिका को अलविदा कहा। इस पद की पेशकश पहले इंग्लैंड के उनके साथी ग्राहम थोर्प को की गई थी लेकिन उस समय वह इसे स्वीकार नहीं कर सके और सौभाग्य से 44 वर्षीय ट्रॉट इस पद पर काबिज हुए। अफगानिस्तान ने सुपर आठ चरण की दौड़ से बाहर होने के बाद अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा को 82 रन से हराकर अपना अभियान समाप्त किया। इंग्लैंड के ट्रॉट ने अपनी भावनाओं को नियंत्रित करते हुए उस टीम के साथ अपने कार्यकाल को याद किया जो अब सफ़ेद गेंद के प्रारूप में एक कड़ी प्रतिद्वंद्वी बन चुकी है। ट्रॉट के नेतृत्व में अफगानिस्तान की टीम 2023 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के काफी करीब पहुंची और 2024 टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाई। उन्होंने मैच के बाद बातचीत में कहा, ''शायद समय सही है, शायद नहीं। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं भविष्य में सभी को शुभकामनाएं देता हूं। मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी हूं। मुझे यह मौका वास्तव में सिर्फ सौभाग्य से मिला। ग्राहम थॉर्प को कोच बनना था और दुर्भाग्य से वह यह भूमिका स्वीकार नहीं कर सके। ट्रॉट ने कहा, ''फिर मुझे यह पद पेश किया गया और मैंने इसे पूरे जोश के साथ स्वीकार किया। तो मैं यहां वास्तव में सौभाग्य से आया। मैंने पूरी कोशिश की। मैं उम्मीद करता हूं कि खिलाड़ी देख सकें कि मुझे इस खेल से कितना प्यार है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे ट्रॉट ने कहा कि उनके लिए सबसे अच्छी चीज खिलाड़ियों के व्यक्तिगत विकास को देखना था। उन्होंने कहा, ''इस कार्यकाल में मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मैं खिलाड़ियों के मैदान के बाहर के विकास को भी देख सका। उनके जीवन में बदलाव आता है, सिर्फ खेल में ही नहीं बल्कि खिलाड़ी अपने परिवार की किस्मत और दिशा बदल सकते हैं।

होबार्ट चरण में नई ऊर्ज़ा के साथ वापसी को तैयार भारतीय पुरुष हॉकी टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब एफआईएच प्रो लीग के होबार्ट चरण पर फोकस कर चुकी है, जो 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया हॉकी सेंटर में खेला जाएगा। भारतीय टीम स्पेन और मेज़बान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर नई शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी। राउरकेला चरण से मिले अनुभवों के बाद भारतीय टीम ने सकारात्मक सोच के साथ खुद को फिर से तैयार किया है। आगामी मुकाबलों को टीम संयोजन परखने, रणनीति को मजबूत करने और इस साल होने वाले पुरुष हॉकी विश्व कप तथा एशियाई खेलों से पहले लय हासिल करने के अहम अवसर के रूप में देखा जा रहा है। 24 सदस्यीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कई युवा प्रतिभाओं को भी शामिल किया गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 21 फरवरी को स्पेन के खिलाफ करेगा, इसके बाद 22 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। 24 फरवरी को एक बार फिर स्पेन से मुकाबला होगा, जबकि 25 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम मैच खेला जाएगा। हालिया रिकॉर्ड दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर का संकेत देते हैं। स्पेन के साथ पिछले 10 मुकाबलों में दोनों टीमों ने चार-चार जीत दर्ज की हैं, जबकि दो मैच ड्रॉ रहे, जिन्हें भारत ने शूटआउट में जीता। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आंकड़े मेज़बान टीम के पक्ष में हैं, जहां पिछले 10 मैचों में उसे छह जीत मिली हैं, जबकि भारत ने दो मुकाबले जीते और दो ड्रॉ रहे। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हार्दिक सिंह को इस चरण के लिए कप्तान बनाया गया है। टीम में अमनदीप लकड़ा, मनमीत सिंह, अंगद वीर सिंह, अरिजीत सिंह हुंडाल और आदित्य अर्जुन लालगे जैसे युवा खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने के लिए उत्सुक हैं। कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि टीम सकारात्मक और आक्रामक सोच के साथ मैदान पर उतरेगी तथा युवा खिलाड़ियों की ऊर्ज़ा टीम के प्रदर्शन में नई धार जोड़ेगी। भारतीय टीम हॉबर्ट चरण में मजबूत प्रदर्शन कर बड़े टूर्नामेंटों से पहले आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वापसी करके ऐतिहासिक सीरीज जीतना चाहेगी

एडिलेड। भारतीय महिला टीम को अगर ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहली बार ऐतिहासिक श्रृंखला जीतनी है तो उसकी बल्लेबाजों को यहां शनिवार को तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मेजबान टीम की अनुभवी गेंदबाजी इकाई के खिलाफ एकजुट होकर आक्रामक प्रदर्शन करना होगा। भारतीय महिला टीम अभी तक ऑस्ट्रेलिया में तीनों प्रारूपों में कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं जीत पाई है। इसे बदलने के लिए भारत को यहां बेहतर बल्लेबाजी की जरूरत है, जिसकी शुरुआत सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा से होगी। स्मृति और शेफाली दोनों ने शुरुआत तो की है लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल पाईं जिससे दूसरे मैच में भारत 164 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा नहीं कर सका। किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और सोफी मोलिनू की अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तिकड़ी ने इस मौके का फायदा उठाया। इन्होंने भारत की पांच बल्लेबाजों को सिर्फ सात रन के अंदर आउट कर दिया। लेकिन एडिलेड की पिच कैनबरा की पिच के मुकाबले अलग है और भारतीय बल्लेबाजों को यहां अपने पिक-अप शॉट्स पर भरोसा करना चाहिए। एक बेहतरीन आउटफील्ड भी बल्लेबाजी के लिए बेहतर है। कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष को बल्ले पर आती गेंद पसंद है और उन्हें यहां कुछ मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि मैदान की सतह चिकनी होने से जिम्मेदारी भारतीय तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ और अमनजोत कौर पर होगी कि वे अपनी लाइन एवं लेंथ में स्थिर रहें क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज किसी भी ढील का आसानी से फायदा उठा सकती हैं। युवा खिलाड़ी जॉर्जिया वोल सबसे बड़ा खतरा हो सकती हैं जिन्होंने अब संन्यास ले चुकी मेग लैनिंग और एलिसा हीली के जाने के बाद पारी के आगाज की भूमिका को जिम्मेदारी से संभाला है। इनकी जगह भरना बहुत बड़ी बात है लेकिन 22 साल की यह खिलाड़ी अब तक कमाल की रही है। भारतीय तेज गेंदबाजों को वोल को रोकना होगा और स्पिनरों दीप्ति शर्मा और श्री चरणी को भी बीच के ओवरों में योगदान देना होगा। वहीं सदरलैंड और ऐश गार्डनर के अलावा फोबे लिचफील्ड को शांत रखना भी जरूरी है। टीमें इस प्रकार हैं: भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, भारती फूलमाली, क्रांति गौड़, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमालिनी, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा। ऑस्ट्रेलियाः सोफी मोलिनू (कप्तान), तहलिया मैकग्रा, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगान शुट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम।

कोलगेट ने राहुल द्रविड़ को किया नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त

मुंबई। कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड ने दिग्गज क्रिकेटर और भारतीय टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ को कोलगेट टोटल का नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। इस अवसर पर कोलगेट टोटल के ब्रांड एंबेसडर राहुल द्रविड़ ने कहा, खेलों में प्रदर्शन की बात हो तो हर छोटी चीज मायने रखती है। मौखिक स्वास्थ्य भी ऐसा ही एक अहम पहलू है। इतना कि दुनिया भर की कई टीमें और हंसी फ्लिक जैसे कोच अब खिलाड़ियों के लिए डेंटल चेक-अप अनिवार्य करते हैं। मेरे लिए कोलगेट टोटल इसलिए खास है क्योंकि यह 8 डेंटल समस्याओं को रोकता है और आपको वह प्रोएक्टिव बढ़त देता है।

एफआईएच प्रो लीग विवाद : पाकिस्तान ने हॉकी टीम के कप्तान अम्माद बट पर लगा दो साल का प्रतिबंध रद्द किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट पर लगाया गया दो साल का प्रतिबंध रद्द कर दिया। पाकिस्तान हॉकी फ़ेडरेशन (पीएचएफ) द्वारा लगाया गया यह प्रतिबंध सरकार ने 'गैरकानूनी और असंवैधानिक' करार दिया है। पीएचएफ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से ठीक पहले तारिक बुगती ने अम्माद शकील बट को फ़ेडरेशन की आलोचना करने के आरोप में दो साल के लिए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हॉकी से प्रतिबंधित कर दिया था। बट ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान हुई अव्यवस्थाओं को लेकर फ़ेडरेशन पर गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा संरक्षक-इन-चीफ नियुक्त किए गए पीएचएफ के अंतरिम अध्यक्ष मुहयुद्दीन अहमद वानी ने बुगती के इस फैसले को पलटते हुए इसे गैरकानूनी और असंवैधानिक कदम बताया। ऑस्ट्रेलिया दौरे से टीम की वापसी के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। कैनबरा में खेले गए एफआईएच प्रो लीग मुकाबलों के दौरान टीम को भारी लॉजिस्टिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। राज्य संचालित पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड (पीएसबी) द्वारा टीम के लिए पांच सितारा होटल में ठहरने हेतु एक करोड़ रुपये जारी किए जाने के बावजूद खिलाड़ियों को एयरबीएनबी आवास में ठहरना पड़ा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुगती का इस्तीफा तुरंत स्वीकार करते हुए मुहयुद्दीन अहमद वानी को पीएचएफ का एड-हॉक अध्यक्ष और ब्रिगेडियर मुसरतुल्लाह को महानिदेशक नियुक्त किया है। दोनों फिलहाल अस्थायी रूप से हॉकी मामलों का प्रबंधन करेंगे। बुधवार तड़के टीम की स्वदेश वापसी के बाद अम्माद बट और अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों ने हवाई अड्डे पर मीडिया से कहा था कि वे मौजूदा प्रबंधन के साथ काम जारी नहीं रख सकते। बट ने खुलासा किया कि खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया में अपनी समस्याओं पर मीडिया से बात न करने की धमकी दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दौरे के दौरान खिलाड़ियों को 'रसोई साफ करने और बर्तन धोने' के लिए मजबूर किया गया। इतना ही नहीं, जिस होटल में टीम के ठहरने की व्यवस्था की गई थी, वहां अग्रिम भुगतान न होने के कारण प्रवेश से मना कर दिया गया, जिसके चलते खिलाड़ियों को घंटों सड़क पर इंतजार करना पड़ा। बट ने यह भी दावा किया कि अधिकांश खिलाड़ियों को पिछले एक साल से दैनिक भत्ता नहीं मिला है। दूसरी ओर, तारिक बुगती ने इस पूरे घटनाक्रम के लिए पाकिस्तान स्पोर्ट्स बोर्ड को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि दौरे की सभी व्यवस्थाएं बोर्ड ने संभाली थीं।

भारत-अमेरिका के अधिकारी 23 फरवरी से बैठक करके व्यापार समझौते को देंगे कानूनी मसौदा का रूप

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के अधिकारी अंतरिम व्यापार समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए 23 फरवरी से अमेरिका में तीन दिवसीय बैठक करेंगे। इस बैठक में समझौते की रूपरेखा को औपचारिक दस्तावेज में बदला जाएगा। इस महीने की शुरुआत में भारत और अमेरिका ने एक संयुक्त बयान जारी कर यह घोषणा की थी कि अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा तय कर ली गई है। संयुक्त बयान में समझौते की मुख्य रूपरेखा तय की गई थी। अब इन बिंदुओं को एक औपचारिक कानूनी समझौते में बदलने के बाद दोनों पक्षों में अगले माह हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारतीय दल का नेतृत्व वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव एवं मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन करेंगे। अंतरिम व्यापार समझौते के तहत दोनों पक्ष आपस में व्यापार किए जाने वाले कई वस्तुओं पर शुल्क रियायतें देंगे। अमेरिका ने घोषणा की है कि वह भारतीय वस्तुओं पर जवाबी शुल्क को 25 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर देगा। इसके अलावा रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण भारत पर लगाए गए 25 फीसदी दंडात्मक शुल्क को पहले ही समाप्त किया जा चुका है।

बीसीबी केन्द्रीय अनुबंध में तस्कीन, मुशफिकुर का डिमोशन, ए प्लस में नहीं मिली किसी खिलाड़ी को जगह

ढाका। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने राष्ट्रीय पुरुष क्रिकेटरों के लिए 2026 के केन्द्रीय अनुबंध में तस्कीन अहमद और मुशफिकुर रहीम को निचले ग्रेड में डिमोट कर दिया है। तस्कीन 2025 में ए -प्लस वर्ग में अकेले खिलाड़ी थे। लेकिन अब बोर्ड ने उनका डिमोशन करते हुए टेस्ट, एकदिवसीय और टी-20 कप्तानों नजमुल हुसैन शान्तो, मेहदी हसन मिराज और लिटन दास के साथ ए वर्ग में डाल दिया हैं। यह बीसीबी की ग्रेडेशन पॉलिसी का दूसरा टियर है। इस बार बोर्ड ने किसी भी खिलाड़ी को एक प्लस कैटेगरी में नहीं रखा गया है। यह साफ़ नहीं है कि गेंद से अच्छे प्रदर्शन के बावजूद तस्कीन को डिमोट क्यों किया गया है। टीम प्रबंधन ने आम तौर पर तीनों प्रारुपों में उनके असर को बनाए रखने के लिए उनका काम का बोझ कम कर दिया है। इस बीच, मुशफिकुर, जिन्होंने 2025 में एकदिवसीय से संन्यास ले लिया था।

अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव से कच्चे तेल की कीमत 6 महीने के उच्चतम स्तर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमत छह महीने के रिकॉर्ड उच्चत स्तर के करीब पहुंच गई है। पिछले दो दिनों में इसमें 6ऽ7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो जनवरी के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 67 डॉलर प्रति बैरल पर है। पिछले सत्र में दोनों के कीमतों में करीब 1.9 फीसदी की तेजी आई थी, जो आज अपने ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 21 सेंट की बढ़त के साथ 71.87 डॉलर प्रति बैरल कारोबार कर रहा है। अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 66.66 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। पिछले सेशन में ब्रेंट क्रूड 1.9 फीसदी बढ़कर 71.66 डॉलर प्रति बैरल पर पर बंद हुआ था, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 1.9 फीसदी चढ़कर 66.43 डॉलर प्रति बैरल पर था।

सभी को किफायती 'कंप्यूटिंग' क्षमता उपलब्ध कराने पर भारत का ध्यानः सचिव

नयी दिल्ली। सांख्यिकी सचिव सुमित गर्ग ने शुक्रवार को कहा कि भारत एक ऐसे मॉडल पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जहां सरकार, परोपकारी संस्थाएं और निजी क्षेत्र मिलकर यह सुनिश्चित कर सकें कि किफायती 'कंप्यूटिंग' क्षमताएं सभी के लिए सुलभ हों। गर्ग ने यहां आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' में एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारा ध्यान कंप्यूटिंग क्षमता तक पहुंच को सीमित करने पर नहीं, बल्कि बुद्धिमानी से प्राथमिकता तय करने पर है। मेरा मानना है कि कंप्यूटिंग क्षमता को एक सक्षम मंच बनाने पर ही मुख्य ध्यान रहेगा। उन्होंने कहा कि इसमें परोपकारी संगठनों की अहम भूमिका होगी, क्योंकि उनका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कृत्रिम मेधा (एआई) का लाभ सभी तक पहुंचे।

एआई के लाभ सभी तक पहुंचाने में अमेरिका-भारत साझेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका : पिचाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। गूगल और उसकी मूल कंपनी अल्फाबेट इंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका-भारत साझेदारी की कृत्रिम मेधा (एआई) के लाभ सभी लोगों तक और हर स्थान तक पहुंचाने में अहम भूमिका है। उन्होंने यहां 'एआई इम्पैक्ट समिट' में भारत और अमेरिका द्वारा 'पैक्स सिलिका' घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर से पहले कहा कि गूगल को दोनों देशों के बीच ''रूपक और वास्तविक'' तरीके से संपर्क सेतु के रूप में सेवा देने पर गर्व है। पिचाई ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच प्रौद्योगिकी सहयोग एआई के लाभों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। पिचाई ने कहा, ल्ल कल उद्घाटन सत्र में मैंने एआई के बेहतरीन दौर पर अपने विचार साझा किए थे। मैंने कहा था कि हम तीव्र प्रगति और नई खोजों के एक युग की दहलीज पर हैं लेकिन सर्वोत्तम परिणामों की गारंटी नहीं है। उन्होंने कहा, '' हमें मिलकर काम करना होगा ताकि एआई के लाभ सभी लोगों तक और हर स्थान पर उपलब्ध हों। अमेरिका-भारत साझेदारी की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। पिचाई ने कहा कि कंपनी को अमेरिका और भारत के बीच '' रूपक व वास्तविक, दोनों ही तरीकों से ङ्क एक संपर्क सेतु के रूप में काम करने पर गर्व है। उन्होंने विस्तार से बताया कि दोनों देशों में गूगल के दल उसकी कुछ सबसे महत्वपूर्ण पहलों पर निर्बाध रूप से साथ काम कर रहे हैं। भारत से शुरू हुए नवाचार, जैसे 'गूगल पे'.. दुनिया भर के लोगों के लिए उत्पादों को बेहतर बना रहे हैं। भारत को लेकर उत्साह जताते हुए पिचाई ने कहा, '' मेरा मानना है कि एआई के क्षेत्र में भारत की प्रगति असाधारण रहने वाली है और हम उत्पादों के विस्तार एवं बुनियादी ढांचे सहित पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ इसका समर्थन कर रहे हैं।

एआई से वैश्विक वृद्धि 0.8 प्रतिशत तेज होने का अनुमान, 'विकसित भारत' का लक्ष्य संभवः आईएमएफ एमडी

एजेंसी

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के इस्तेमाल से वैश्विक आर्थिक वृद्धि में करीब 0.8 प्रतिशत तक की तेजी आ सकती है। उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी का लाभ भारत को भी मिलेगा और 'विकसित भारत' बनने के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। जॉर्जीवा ने यहां आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' में आयोजित एक परिचर्चा के दौरान कहा कि आईएमएफ के एक अध्ययन के अनुसार एआई में वैश्विक आर्थिक वृद्धि को उल्लेखनीय रूप से तेज करने की क्षमता है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने वाराणसी में सीवेज अवसंरचना परियोजनाओं का किया स्थलीय निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने वाराणसी में सीवेज अवसंरचना परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा करने के साथ ही स्थलीय निरीक्षण भी किया। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने वरुणा रिवर रेज्यूविनेशन के लिए लोहता क्षेत्र में 274.31 करोड़ रुपये की लागत से 60 एमएलडी क्षमता का नया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने की मंजूरी देने की जानकारी दी। जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने भगवानपुर स्थित 55 एमएलडी एसटीपी का भी निरीक्षण किया, जिसे लगभग 308 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। एसटीपी की सभी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और इस प्लांट का ट्रायल चल रहा है। इस प्लांट का संचालन 15 मार्च तक प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसके चालू होते ही इंटरसेप्टिंग नालों का गंदा पानी उपचारित होकर ही आगे जाएगा और गंगा तथा एक वरुणा दोनों नदियों पर प्रदूषण का दबाव कम होगा। अस्सी स्थित पंपिंग स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री को अधिकारियों ने बताया कि अतिरिक्त सीवेज को रोकने के लिए बनाए गए 50 एमएलडी के मुख्य पंपिंग स्टेशन का भी निरीक्षण किया। इसके माध्यम से भी शहर के प्रमुख नालों के प्रवाह को ट्रीटमेंट सिस्टम से जोड़ा जा रहा है ताकि किसी भी स्थिति में अशोधित जल नदी में न पहुंचे। केंद्रीय मंत्री के निरीक्षण के दौरान महापौर अशोक कुमार तिवारी, महानिदेशक नमामि गंगे राजीव कुमार मित्तल, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल, नमामि गंगे, जल निगम और कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बागपत में 36 हजार किसानों ने नहीं कराई फार्मर रजिस्ट्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बागपत। किसानों का एकीकृत डिजिटल डाटाबेस तैयार कराने के लिए फार्मर रजिस्ट्री कराई जा रही है, लेकिन बागपत में करीब 36 हजार किसान अभी भी अपना डेटा ऑनलाइन नहीं करा पाए हैं। जिला स्तर पर एक बार फिर फार्मर रजिस्ट्री कराने के लिए किसानों से कहा जा रहा है। कृषि उपनिदेशक विभाति चतुर्वेदी ने बताया कि बागपत में किसान सम्मान निधि योजना में 107814 पंजीकृत कृषक सत्यापित किए गए हैं जिसमें से अभी तक 70953 कृषकों द्वारा अपनी फार्मर रजिस्ट्री करायी गयी है। 16181 गैर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कृषकों द्वारा अपनी फार्मर रजिस्ट्री करायी गयी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अवशेष 36861 कृषक जो अपनी फार्मर रजिस्ट्री नही करा रहे है। जिसके चलते किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की आगामी 22 वीं किस्त का लाभ तथा सरकार द्वारा कृषकों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं खाद, बीज, कृषि यंत्र, कीटनाशी, फसल बीमा, कृषि ऋण आदि पर अनुदान का लाभ नहीं मिल पायेगा। उन्होंने अपील की है कि जिन कृषकों ने अभी तक अपनी फार्मर रजिस्ट्री नहीं करायी है ,वे अपना आधार, खतौनी, आधार से लिंक मोबाइल लेकर अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र पर जाकर तत्काल अपनी फार्मर रजिस्ट्री करा लें। बताया गया है कि किसान अपने मोबाइल से भी क्ष्धधद्दद्य घ्यथभ ट्टष्धन्द्ध से क्ष्थन्द्धद्ध टद्दद्धपन्भ ठ्ठ मोबाइल ऐप डाउनलोड कर स्वयं भी अपना पंजीकरण कर सकते हैं। बता दें कि फार्मर रजिस्ट्री का मुख्य उद्देश्य किसानों की जमीनों को डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर एकत्र करने का कार्य पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से पूरा करना है। किसानों को सरकारी योजनाओं और अनुदानों का लाभ सीधे और प्रभावी तरीके से प्रदान करने में मदद करेगी। उत्तर प्रदेश में जिन किसानों की जमीन जगह-जगह है, उन जमीनों को एक प्लेटफार्म पर लाकर रिकॉर्ड को व्यवस्थित तरीके से डिजिटल करना है। राजस्व विभाग ,कृषि विभाग, पंचायत सहायक आदि द्वारा ग्राम स्तर पर फ्री फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में जानकारी ली जा सकती है या किसान जन सुविधा केंद्र पर भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

फतेहपुर में पति के बाद पत्नी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शुक्रवार को पहले पति ने और कुछ घंटे बाद पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य संकलित कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। बिन्दकी कोतवाल हेमंत मिश्रा ने बताया कि मोहल्ला बाराती नगर अमरजीत कुशवाहा (28) ने पांच माह पहले अपने गांव की ही रहने वाली रेखा सोनकर (25) से विजातीय प्रेम विवाह किया था। दोनों मोहल्ले में किराए का एक कमरा लेकर लगभग एक माह से रह रहे थे। गुरुवार बीती रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर अनबन हो गई, जिससे क्षुब्ध होकर पहले अमरजीत कुशवाहा ने चार मंजिल मकान की छत में पहुंचकर बाथरूम की कोठरी के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त ने बरेका में आधुनिक तकनीक व संरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त, नई दिल्ली जनक कुमार गर्ग शुक्रवार को वाराणसी पहुंचे। वाराणसी दौरे में उन्होंने बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने बरेका में निर्मित लोको (रेल इंजनों), उनकी उन्नत निर्माण प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों तथा संरक्षा उपायों का गहन अवलोकन किया। कार्यशाला पहुंचने पर मुख्य विद्युत इंजीनियर अरविंद कुमार जैन ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके पश्चात उन्होंने लोको फ्रेम शॉप, लोको असेंबली शॉप, ट्रक मशीन शॉप एवं लोको टेस्ट शॉप का निरीक्षण कर निर्माण प्रक्रिया की गुणवत्ता एवं संरक्षा मानकों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर सुशील कुमार श्रीवास्तव ने बरेका में निर्मित विभिन्न प्रकार के रेल इंजनों, उनकी अत्याधुनिक निर्माण तकनीक, उच्च गुणवत्ता मानकों एवं संरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर विवेक शील, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक आलोक अग्रवाल, प्रधान वित्त सलाहकार मुक्तेश मित्तल, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी लालजी चौधरी, सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ज्वैलर की दुकान से आभूषण चोरी के आरोप में महिला गिरफ्तार, सामान बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। पाण्डेयपुर स्थित ए.के. ज्वेलर्स में हुई सोने-चांदी के आभूषणों की चोरी का खुलासा करते हुए कैंट थाना पुलिस ने आरोपित महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी गए आभूषण भी बरामद कर लिए हैं। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को कैंट थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन, अपर पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन तथा सहायक पुलिस आयुक्त सर्किल कैण्ट के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत मिश्र के नेतृत्व में थाना कैण्ट की टीम ने आरोपित को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार महिला की पहचान शीला देवी (42 वर्ष), पत्नी सोनू विश्वकर्मा, निवासी सिकिया, थाना नारायनपुर, जनपद मिर्ज़ापुर के रूप में हुई है। उसके विरुद्ध थाना कैण्ट में संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत है। पुलिस के अनुसार 27 जनवरी 2026 को महिला पाण्डेयपुर स्थित ए.के. ज्वेलर्स की दुकान पर ग्राहक बनकर पहुंची थी। आभूषण देखने के दौरान जब दुकानदार अन्य ग्राहकों में व्यस्त हो गया, तभी महिला ने मौके का फायदा उठाते हुए सोने-चांदी के गहने चोरी कर लिए। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

पिंजरे में गुलदार कैद ग्रामीणों को मिली राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बिजनौर। जनपद बिजनौर में मण्डावर थाना क्षेत्र के फैजुल्लापुर गांव में वन विभाग द्वारा लगाए गए एक पिंजरे में शुक्रवार को एक मादा गुलदार कैद हो गई। गुलदार के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। वन विभाग की टीम गुलदार को सुरक्षित रेंज कार्यालय ले गई है, जहां उसका मेडिकल परीक्षण किया जा रहा है। इसके बाद उसे सुरक्षित वन आरक्षित जंगल में छोड़ा जाएगा। शुक्रवार सुबह जब किसान खेतों में काम करने पहुंचे, तो उन्हें पिंजरे से गुलदार की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर वे पिंजरे की ओर दौड़े और देखा कि गुलदार उसमें कैद है। गुलदार के पकड़े जाने की खबर फैलते ही आसपास के काफी ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। बिजनौर जिले में पिछले काफी समय से गुलदार की लगातार मौजूदगी बनी हुई है। गुलदार अक्सर किसानों को दिखाई देते हैं, जिससे उनमें भय का माहौल है। फैजुल्लापुर गांव में भी किसानों को कई दिनों से गुलदार दिख रहा था, जिसके बाद वन विभाग ने वहां गन्ने के खेत में एक पिंजरा लगाया था। गुलदार के हमलों से बचने के लिए वन विभाग लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है। विभाग लोगों को अकेले खेत में न जाने, समूह में शोर करते हुए जाने और रात में खुले में न सोने के लिए पंपलेट और वॉल पेंटिंग के माध्यम से जागरूक कर रहा है। साथ ही, गुलदार को पकड़ने के लिए जिले भर में कई स्थानों पर पिंजरे भी लगाए गए हैं। क्षेत्रीय वन अधिकारी महेश गौतम ने बताया कि पकड़ी गई गुलदार मादा है और उसकी उम्र लगभग 5 साल है। उसका मेडिकल परीक्षण किया जा रहा है। उच्च अधिकारियों के आदेश के बाद इसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया जाएगा।

सामाजिक सौहार्द और माहौल बिगाड़ने वाले पर होगी कड़ी कार्रवाई: डीसीपी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर में शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर थाना नौबस्ता क्षेत्र में पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में रही। सहायक पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में अतिरिक्त निरीक्षक सहित पर्याप्त पुलिस बल की तैनात रहे। अधिकारियों ने संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले इलाकों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान प्रमुख चौराहों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और संभावित संवेदनशील बिंदुओं पर पिकेट ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि नौबस्ता मछरिया क्षेत्र स्थित नमाज स्थल का जायजा लिया गया। नमाज के समय भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था सुचारु रखने और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती गई। रमजान माह में जुमे की नमाज के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों और धर्मगुरुओं से संवाद कर सभी त्योहारों को शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की।यह भी कहा कि पुलिस हर हाल में शांति बनाए रखने के लिए आपके क्षेत्र में मुस्तैद हैं, जनता पुलिस का पूरा सहयोग करें।

शिमला मिर्च लगाकर किसान ने कमाए 10 लाख

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बागपत। बागपत जनपद के पाबला बेगमाबाद गांव के किसान जितिन कुमार ने आधुनिक खेती अपनाकर किसानों की आय बढ़ाने का मार्ग खोल दिया है। उन्होंने अपने पॉलीहाउस में लाल और पीली शिमला मिर्च की खेती की है, जिससे उन्हें बेहतर उत्पादन और अच्छा बाजार भाव मिल रहा है। किसान का कहना है कि एक एकड़ में उन्होंने 10 लाख की इनकम की है। 15 लोगों को रोजगार दिया है।

किसान जितिन कुमार ने बताया कि पॉलीहाउस में खेती करने से फसल को कीटों और मौसम की मार से काफी हद तक बचाया जा सकता है। इसके साथ ही बेमौसम में भी फसल तैयार की जा सकती है, जिससे बाजार में बेहतर कीमत मिलती है। वर्तमान में लाल और पीली शिमला मिर्च का भाव अच्छा चल रहा है और उनकी फसल दिल्ली की आजादपुर मंडी में भेजी जा रही है, जहां करीब 100 रुपये प्रति किलो तक कीमत मिल रही है। उन्होंने अन्य किसानों को सलाह दी कि जो किसान इस तरह की खेती शुरू करना चाहते हैं, वे शुरुआत में कम मात्रा में फसल लगाएं, लेकिन लगातार करें, ताकि नियमित अंतराल पर मंडी में माल पहुंचता रहे और बाजार में लगातार सप्लाई बनी रहे। उत्पादन के बारे में जानकारी देते हुए जितिन कुमार ने बताया कि एक एकड़ में करीब 10 से 12 हजार पौधे लगाए जाते हैं। लाल और पीली शिमला मिर्च का एक पौधा औसतन लगभग दो किलो तक उत्पादन देता है। यह फसल करीब आठ से नौ महीने तक चलती है, जिससे किसानों को लंबे समय तक आय प्राप्त होती रहती है। जतिन ने बताया कि आधुनिक तकनीक और पॉलीहाउस खेती अपनाकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उनके द्वारा प्रति पौधे से औसतन 2 किलों की उपज ली है। 100 रुपये / किलो मंडी भाव लेकर करीब 10 लाख की इनकम मिली। पॉलीहाउस में फसल की गुणवत्ता अच्छी होती है जिससे मार्किट में अच्छा भाव मिलता है। जतिन बताते हैं कि उनके द्वारा उगाई जाने वाली फसल को सप्लायर द्वारा उठाया जाता है। कुछ सब्जी मॉल और आउटलेट पर जाती है कुछ दिल्ली के मंडियों में भेजी जाती है। जतिन बताते है कि कृषि कार्यो में लेवर महत्वपूर्ण है जिसके किये नियमित आय का होना जरूरी है। किसान एक फसल पर निर्भर न रहें। अन्य मौसमी फसलें भी पैदा करें। उनके द्वारा शिमला मिर्च के साथ साथ ब्रोकली, टमाटर, गाजर, चुकंदर की फसलें भी तैयार की जा रही हैं। इनसे लेबर को काम भी मिल जाता है और उनका खर्च भी निकल जाता है। 'जिला उद्यान अधिकारी निधि सिंह किसानों को परंपरागत खेती के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाने की सलाह दी है, जिससे खेती को लाभदायक बनाया जा सके। पॉलीहाउस के लिए अनुदान दिया जा रहा है। किसान जिला कार्यालय बागपत आकर पूर्ण जानकारी ले सकते हैं।

बरेली में होली से पहले बड़ा खुलासा : पास्ता मसाला में फंगस, मिर्च में जहरीला रंग, दीपक स्वीट्स समेत कई के घी-तेल भी फ़ेल

बरेली। रंगों के त्योहार से ठीक पहले शहर में खाने-पीने की चीजों को लेकर चौंकाने वाला सच सामने आया है। खाद्य सुरक्षा टीम की जांच में पास्ता मसाला से लेकर मिर्च पाउडर, चायपत्ती, भुना चना, रिफाइंड तेल और घी तक में गंभीर खामियां मिलीं। कई नमूने अधोमानक तो कुछ सीधे असुरक्षित पाए गए। रिपोर्ट ने बाजार की सच्चाई उजागर कर दी है और अब सवाल यह है कि त्योहार पर लोगों की थाली में आखिर क्या परोसा जा रहा था। परसाखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मै0 एच.एन. फूड प्रोडक्ट्स से लिया गया 'चटपटा पास्ता मसाला' का नमूना लैब में अधोमानक और असुरक्षित घोषित किया गया। जांच में उसमें लम्प्स और फंगल ग्रोथ पाई गई, यानी साफ तौर पर खाने लायक नहीं। इसी तरह श्यामगंज स्थित मै0 मूर्ति इंटरप्राइजेज से लिए गए भुने चने के नमूने में औरामाइन रंग मिला, जो खाद्य पदार्थों में पूरी तरह प्रतिबंधित है। लैब ने इसे असुरक्षित करार दिया है। त्योहार के मौसम में इस तरह का जहर खुलेआम बिकता रहा। इज्जतनगर स्थित मै0 मुल्ला जी चावल वाले की दुकान से लिए गए सप्तऋषि ब्रांड के धनिया और हल्दी पाउडर के नमूने अधोमानक पाए गए। वहीं इसी प्रतिष्ठान से लिया गया तीखा मिर्च पाउडर (सप्तऋषि ब्रांड) असुरक्षित घोषित हुआ, जिसमें सूडान-2 और सूडान-3 जैसे खतरनाक रंग मिले। ये रंग कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से जुड़े माने जाते हैं। चाय के शौकीनों के लिए भी झटका कम नहीं है।

वाराणसी के राजकीय अलंकृत उद्यान कम्पनी बाग में दो दिवसीय मण्डलीय पुष्प प्रदर्शनी शनिवार से

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

■ राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रविन्द्र जायसवाल करेंगे उद्घाटन-प्रात:आठ बजे से आमजन प्रदर्शनी में प्रवेश कर सकेंगे

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी कचहरी स्थित राजकीय अलंकृत उद्यान कम्पनी बाग में दो दिवसीय मण्डलीय शाकभाजी, फल एवं पुष्प प्रदर्शनी का शुभारंभ शनिवार से होगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल करेंगे। आमजन के लिए प्रदर्शनी प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक खुली रहेगी।

यह जानकारी शुक्रवार को उपनिदेशक उद्यान दिग्विजय कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि उद्यान विभाग द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी के साथ दो दिवसीय कृषक गोष्ठी भी होगी। मण्डल के विभिन्न जनपदों से आए कृषकों को शाकभाजी, फल एवं पुष्प उत्पादन के साथ मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, ग्रीन हाउस खेती आदि आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी वैज्ञानिकों द्वारा दी जाएगी। कृषकों को कृषि एवं बागवानी से संबंधित साहित्य भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में व्यक्तिगत प्रतिभागियों के साथ राजकीय संस्थान, महाविद्यालय, उद्यमी, निजी पौधशालाएं, रेलवे एवं अन्य प्रतिष्ठान अपने प्रदर्श लगाकर प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रदर्शनी को 18 वर्गों एवं 154 श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इसमें शाकभाजी, फल, संरक्षित फल उत्पाद, गुलाब व डहेलिया के कटे फूल, मौसमी फूल, कलात्मक पुष्प सज्जा, गमलों में जाड़े के पौधे, कैक्टस, सकुलेन्टस, बोनसाई, औषधीय एवं सुगंधित पौधे, वर्टिकल गार्डेन, रंगोली, टेरारियम, विवाह मंडप सज्जा आदि की आकर्षक प्रस्तुति होगी। प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार क्रमशः 700 रुपये, 500 रुपये एवं 400रुपये के साथ स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। इस वर्ष प्रदर्शनी को अधिक आकर्षक बनाने के लिए सहज योग सत्र, न्यूमेरोलॉजी, नेचर-बेस्ड गतिविधियां, मूड आधारित फ्लावर एक्टिविटी, फ्लावर स्टॉल, वैदिक गणित, फ़ेस पेंटिंग, फ्लावर पॉट पेंटिंग, लाइव एवं एब्सट्रैक्ट पेंटिंग, आर्ट एवं क्राफ्ट, लर्निंग एक्टिविटी, हेल्दी बेबी शो, बनारसी औद्यानिक उत्पादों की प्रदर्शनी, दक्षिण भारतीय व्यंजन, ठंडई, कुल्फी, बाटी-चोखा, फूड कोर्ट, एक्टिविटी हट, अन्नपूर्णा चाट काउंटर सहित कई विशेष आकर्षण शामिल किए गए हैं।